राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,28 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–62 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी सहित अन्य राज्यों से उत्तराखंड पहुंचना होगा आसान, 4-लेन में बदला देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे नेशनल हाईवे

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे का काम पूरा करने का लक्ष्य मार्च 2024 तक रखा गया है, लेकिन हम इसे जनवरी 2024 तक पूरा करने का प्रयास करेंगे। इसके लिए उत्तराखंड की सीमा में रात को भी काम करने की अनुमति दे दी गई है। यूपी की सीमा में भी रात को काम हो, इसकी अनुमति के लिए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया जाएगा। काम की गुणवत्ता में किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने आशारोड़ी से मोहंड तक एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों से प्रोजेक्ट की जानकारी ली। डाटकाली से गणेशपुर के बीच बन रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर को भी देखा। अधिकारियों ने बताया कि प्रोजेक्ट पर तेजी से काम किया जा रहा है। काम को पूरा करने का लक्ष्य मार्च 2024 रखा गया है। जिस पर सीएम धामी ने कहा कि यह महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके बनने से देहरादून से दिल्ली का सफर दो से ढाई घंटे में पूरा हो जाएगा। लोगों का समय बचेगा और उनको सुविधा मिलेगी। हम काम को तय समय में पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। हम कोशिश करेंगे कि जनवरी 2024 तक पूरा हो। इसके लिए रात में काम करने की अनुमति दी जा रही है। इस मौके पर डीएम सोनिका, एनएचएआई के रिजनल ऑफिसर सीके सिन्हा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर पंकज मौर्य, रुड़की के ऑफिस के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रदीप कुमार, प्रोजेक्ट इंजीनियर रोहित पंवार समेत पीडब्ल्यूडी अधिकारी भी मौजूद रहे।

छह महीने पहले बनकर तैयार हुई टनल –परियोजना के तहत डाटकाली में 340 मीटर टनल भी बनाई गई। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि टनल का काम डेढ़ साल में पूरा होना था। लेकिन छह महीने पहले ही काम पूरा कर लिया है।

मुश्किल वक्त में सपा देगी गांधी परिवार को झटका, सोनिया की सीट पर भी हार का खतरा

नई दिल्ली। राहुल गांधी की वायनाड लोकसभा सीट से सदस्यता समाप्त हो गई है। अमेठी सीट से पिछली बार हारने वाले राहुल गांधी को वायनाड से जीत मिली थी और वह संसद पहुंचे थे। अब राहुल गांधी दो साल की सजा पाने के बाद संसद की सदस्यता खो चुके हैं और यदि उनकी सजा समाप्त नहीं होती है या कम नहीं होती तो फिर 2031 तक वह चुनाव भी नहीं लड़ सकेंगे। ऐसे में गांधी परिवार से अब सोनिया गांधी ही सांसद बची हैं। लेकिन इस बीच रायबरेली सीट पर भी समीकरण बिगड़ते दिख रहे हैं। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में सपा ने भी इस सीट से कैंडिडेट उतारने के संकेत दिए हैं। ऐसा होता है तो फिर कांग्रेस के लिए मुश्किल वाली बात होगी। अखिलेश यादव ने पिछले दिनों ही कहा था कि रायबरेली और अमेठी में हमें वोट मिलता रहा है और हमारे विधायक चुने जाते रहे हैं। अब उनका कहना है कि

लोग बड़े आदमियों को नहीं बल्कि बड़े दिल वालों को चुनाव जिताना चाहते हैं। इस तरह उन्होंने संकेत दिए हैं कि रायबरेली और अमेठी की जिन सीटों पर सपा कैंडिडेट ना उतारकर गांधी फैमिली को वॉकओवर देती थी, वह परंपरा अब समाप्त हो जाएगी। दरअसल रायबरेली की सरेनी, ऊंचाहार जैसी सीटों पर सपा के विधायक जीत हासिल करते रहे हैं।

सोनिया की जीत का घट रहा अंतर, सपा उतरी तो फंसेगा मैच

ऊंचाहार से तो मनोज पांडेय लगातार तीन बार से विधायक चुने जा रहे हैं। अखिलेश सरकार में वह कैबिनेट मंत्री भी थे। इसके अलावा रायबरेली जिले में यादव, कुर्मी, मौर्य जैसी ओबीसी बिरादरियों की अच्छी संख्या है। माना जाता है कि सपा के यहां कैंडिडेट न देने से गांधी फैमिली को बड़ी जीत मिलती रही है। ऐसे में यदि सपा का कैंडिडेट उतरता है तो कुछ वोट जरूर कटेंगे। इसके अलावा भाजपा ने 2014 और 2019 में यहां अच्छे वोट हासिल किए थे। इस तरह सपा यदि यहां वोट काट ले तो फिर कांग्रेस के लिए गांधी परिवार के गढ़ में ही मुश्किल खड़ी हो सकती है।

रायबरेली की 4 विधानसभा सीटें हैं सपा के पास

सोनिया गांधी को रायबरेली में 2019 के आम चुनाव में 1 लाख 67 हजार वोटों से जीत मिली थी। उन्हें कुल 5 लाख 34 हजार वोट मिले थे, जबकि भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को 3,67,740 मत मिले थे। इस तरह सोनिया गांधी की जीत का अंतर काफी कम हो गया, जो कभी 3 लाख के आसपास रहा करता था। एक तरफ जीत का अंतर डेढ़ लाख के करीब आ गया है तो वहीं सपा यदि मुकाबले में आती है तो फिर मैच फंस सकता है। यही नहीं बीते साल हुए विधानसभा चुनाव में भी जिले की 6 सीटों में से 4 पर सपा को जीत मिली थी, जबकि भाजपा को रायबरेली सदर और सलोन जैसी दो सीटों पर ही जीत मिली। कांग्रेस का तो यहां खाता भी नहीं खुल सका था।

रायबरेली लोकसभा सीट से अब कांग्रेस के लिए चुनौती खड़ी होती दिख रही है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने यहां से उम्मीदवार उतारने के संकेत दिए हैं। सपा इस जिले में हमेशा से मजबूत रही है।

कार्यकर्ताओं के सहयोग से बनेगा नवीन कार्यालय : शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशानुसार पार्टी कार्यकर्ताओं के सहयोग से नया कार्यालय बनेगा। शर्मा ने कल कहा कि श्री नड्डा के नेतृत्व में उनके प्रवास के दौरान कोर कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उनका मार्गदर्शन मिला है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नवीन कार्यालय के लिए प्रदेश के हर कार्यकर्ता से सहयोग लिया जायेगा। हमारा प्रयास है कि पार्टी के कार्यकर्ता ही भवन निर्माण में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से और प्रभावी रणनीति बनाने को लेकर विस्तार

पार्टी के नवीन कार्यालय के लिए प्रदेश के हर कार्यकर्ता से सहयोग लिया जायेगा। हमारा प्रयास है कि पार्टी के कार्यकर्ता ही भवन निर्माण में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से और प्रभावी रणनीति बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

से चर्चा हुई। शर्मा ने कहा कि बूथ विस्तारक अभियान-2 को और मजबूत करने के लिए हमने 31 मार्च तक तिथि बढायी है, जिसमें बूथ अध्यक्ष, महामंत्री और बीएलए सभी मेहनत कर रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की विकासोन्मुखी योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा ने मध्यप्रदेश में 51 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करने का लक्ष्य रखा है, जिसे प्रदेश के कार्यकर्ता मैदान में उतरकर पूरा करेंगे।

तेजस्वी यादव पिता बने, लालू यादव के घर हुआ पोती का जन्म

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पिता बन गए हैं। उन्होंने खुद बेटी के जन्म की खबर ट्विटर पर साझा की है। उन्होंने एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें वह बच्ची को गोद में लिए दिख रहे हैं। तेजस्वी यादव ने खुद ही ट्वीट कर बेटी के जन्म की जानकारी दी है। तेजस्वी यादव ने बेटी को गोद में लिए हुए अपनी फोटो शेयर की है और कैप्शन में लिखा है, ईश्वर ने आनंदित होकर पुत्री रत्न के रूप में उपहार भेजा है। तेजस्वी यादव के पिता बनने पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, %पवित्र नवरात्र के दिनों में माता रानी के इस आशीर्वाद के लिए आपको एवं आपके पूरे परिवार को बहुत-बहुत बधाई तेजस्वी जी। बिटिया

रानी को खूब सारा दुलार एवं आशीर्वाद, ईश्वर आपके परिवार को सदा खुश रखें। बता दें कि हाल ही में सीबीआई की टीम दिल्ली में तेजस्वी यादव के घर पहुंच गई थी। इस पर तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने आपत्ति जताते हुए कहा था कि मेरी गर्भवती भाभी को भी परेशान किया जा रहा है।

अतीक को हो सकती है फांसी तक की सजा, उमेश पाल अपहरण कांड में लगी हैं ये धाराएं

प्रयागराज। अतीक अहमद, अशरफ अहमद और उमेश पाल अपहरण कांड के अन्य सभी आरोपितों पर जो आरोप लगाए गए हैं उनमें भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराएं शामिल हैं। इनमें आईपीसी की धारा 364 ए सबसे बड़ी है जो अपहरण के लिए दंड का प्रावधान करती है। अधिवक्ताओं का कहना है कि इस मामले में अधिकतम सजा फांसी या आजीवन कारावास तक की हो सकती है। शासकीय अधिवक्ता गुलाबचंद अग्रहरी ने बताया कि इस मामले में अधिकतम सजा फांसी या आजीवन कारावास और जुर्माना की व्यवस्था है।

इन धाराओं में बना है आरोप–

147, 148, 149, 323, 341, 504, 506, 342, 364, 34, 120 बी भारतीय दंड संहिता एवं सातवां आपराधिक दंड विधि संशोधन अधिनियम।

आईपीसी की धारा 364 ए और दंड का विधान–जो कोई भी किसी व्यक्ति का अपहरण्सा करता है या इस तरह के अपहरण के बाद किसी व्यक्ति को हिरासत में रखता है और ऐसे व्यक्ति को मौत या चोट पहुंचाने की धमकी देता है, या उसके आचरण से एक उचित आशंका पैदा होती है कि ऐसे

व्यक्ति को मौत या चोट पहुंचाई जा सकती है, या सरकार या किसी विदेशी राज्य या अंतरराष्ट्रीय अंतर-सरकारी संगठन या किसी अन्य व्यक्ति को किसी भी कार्य को करने या फिरौती देने के लिए मजबूर करने के लिए ऐसे व्यक्ति को चौट या मृत्यु का कारण बनता है, मौत की सजा या कारावास जीवन और जुर्माना के लिए भी उत्तरदायी होगा।

राहुल गांधी की सदस्यता गई तो पवन खेड़ा ने पुराने ट्वीट के लिए मांगी माफी, क्या है मामला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बीते साल एक ट्वीट किया था जिसके लिए उन्होंने माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह ट्वीट स्वार्थ में किया गया था और राहुल गांधी से प्रेरणा लेते हुए उन्हें गलती का अहसास हो गया है। पवन खेड़ा ने कहा कि सत्ता से दूर रहकर भी राहुल गांधी तपस्या कर रहे हैं। दरअसल पवन खेड़ा को जब राज्यसभा का टिकट नहीं मिला था तो उन्होंने ट्वीट कर कहा था, शायद मेरी तपस्या में कोई कमी रह गई। खेड़ा ने कहा, मैं राहुल गांधी को देखता हूं। उन्होंने अपनी सत्ता त्याग दी लेकिन तपस्या जारी है। इससे बड़ी तपस्या और क्या हो सकती है। पवन खेड़ा ने कहा कि मैं अपनी पार्टी और पार्टी नेतृत्व से अपनी गलती के लिए

माफी मांगता हूं। पवन खेड़ा ने पिछले साल 29 मई को यह ट्वीट किया था। कांग्रेस ने राज्यसभा के उम्मीदवारों की सूची में पवन खेड़ा का नाम शामिल नहीं किया था। पवन खेड़ा ने राजघाट पर आयोजिक कांग्रेस के 'सत्याग्रह' के कदौरान मंच से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने कहा, मैं आज आप सभी से माफी मांगता हूं। मुझे राहुल गांधी और प्रियंका जी से प्रेरणा मिली है। यह आवाज उठाने का समय हैऔर लड़ने का समय है। सत्ता मिलना या ना मिलने अलग बात है लेकिन हमें लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे।

राजनीति में किसके लिए आए हैं भाजपा सांसद वरुण गांधी, कर दिया खुलासा–बता दें कि प्रधानमंत्री को लेकर भी पवन खेड़ा ने विवादित टिप्पणी की थी। इसको लेकर असम पुलिस ने केस दर्जकिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को अंतरिम जमानत दी थी। इससे पहले उन्हें असम पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया था। पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम मोदी को नरेंद्र गौतम दास मोदी कहा था।

हर गरीब को छत का वादा पूरा कर चुनावी मैदान में होगी मोदी सरकार, 2.94 करोड़ लोगों को घर मुहैया कराने की तैयारी

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरने से पहले मोदी सरकार उस उपलब्धि का प्रमाण-पत्र अपने हाथ में रखना चाहती है, जो करोड़ों आवासहीनों का अपनी छत का सपना पूरा करने जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए समय-सीमा, तो दिसंबर, 2024 तय की गई थी, लेकिन अब राज्यों से इस गति से काम करने के लिए कहा गया है कि लक्ष्य को दिसंबर, 2023 तक ही प्राप्त कर लिया जाए।

राजनीतिक दृष्टिकोण से यह योजना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि लगभग तीन करोड़ लाभार्थियों के लक्ष्य में 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के हैं।

2024 से पहले पूरी हों आवास योजना–भाजपा सरकार ने केंद्र की सत्ता में आसीन होने के बाद वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) शुरू की थी। पहले इसे 2022 तक ही पूरा किया जाना निर्धारित था, लेकिन कोरोना महामारी के असर के चलते अगस्त, 2022 में केंद्रीय कैबिनेट ने इसकी समय-सीमा को 31 दिसंबर, 2024 तक के लिए बढ़ा दिया। हालांकि, सरकार का जोर इस बात पर है कि सभी को आवास के लक्ष्य वाले इस महत्वाकांक्षी मिशन को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ही पूरा

कर लिया जाए।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के पोर्टल पर दर्ज आंकड़े के मुताबिक, कुल आवासों का लक्ष्य 2,94,03,462 है जिनमें से 2,18,67,542 आवास बन चुके हैं। पिछले दिनों ही मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र भेजकर कहा गया कि आवास स्वीकृति के लिए समय सीमा बढ़ाई जा चुकी है, जो कि अंतिम बार है। अब लक्ष्य के सापेक्ष स्वीकृति लंबित न रहे। इसी तरह भूमिहीनों के आवास के लिए भूमि की औपचारिकता 31 मार्च तक पूरी कर ली जाए। दिसंबर, 2023 तक लक्ष्य प्राप्ति के लिए पाक्षिक रणनीति पर जोर देते हुए केंद्र द्वारा सभी राज्यों के साथ एक दौर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग भी की जा चुकी है। यदि इतनी संख्या में गरीबों को आवास मिल जाते हैं, तो इसे अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में भाजपा सरकार लोकसभा चुनाव में प्रचारित करना चाहेगी। पहले से ही दलित और पिछड़ों पर अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी भाजपा की नजर उस आंकड़े पर भी है कि इस योजना के कुल लाभार्थियों में 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग से, 25 प्रतिशत अन्य हैं, तो 15 प्रतिशत लाभार्थी अल्पसंख्यक वर्ग के हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हमारा चंद्रयान

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने पृथ्वी की एक तस्वीर जारी की है, जिसमें भारत रात के वक्त भी खूब चमक रहा है। यह चमक ऐसी है, मानो अंतरिक्ष से कोई भी देखे, तो आकर्षित हो जाए। अंतरिक्ष शुरू से ही जिज्ञासा और अनुसंधान का केंद्र रहा है। मगर एक तथ्य यह भी है कि भारत का अंतरिक्ष अभियान अभी समय से कम से कम दस साल पीछे चल रहा है। ऐसे में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ की ताजा घोषणाएं किसी खुशखबरी से कम नहीं हैं। पहली घोषणा यह है कि भारत का तीसरा चंद्र मिशन चंद्रयान-3 पूरी तरह से तैयार है और संभवत- इस साल के मध्य तक लॉन्च कर दिया जाएगा। इसरो प्रमुख ने अहमदाबाद में आयोजित चौथे भारतीय ग्रह विज्ञान सम्मेलन में यह घोषणा की है। अंतरिक्ष और ग्रहों की खोज के लिए भारतीय क्षमता आज एक जरूरी विषय है, जिस पर सभी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को पूरे मनोयोग से काम करना चाहिए। पिछले महीने से ही यह संकेत मिलने लगे थे कि चंद्रयान-3 पूरी तरह से तैयार है। लगातार परीक्षणों के बाद वैज्ञानिकों में यह विश्वास पैदा हुआ है कि चंद्र अभियान में इस बार कोई कमी नहीं रहेगी। दूसरी महत्वपूर्ण घोषणा भारत के पहले सौर अभियान को लेकर है। आदित्य-एल1 भारत का पहला सौर अभियान है, इसे भी इसी साल के मध्य तक लॉन्च किया जाएगा। यह सूर्य को करीब से देखने की एक कोशिश है और अगर यह अभियान सफल रहा, तो भारत अंतरिक्ष विज्ञान में अलग श्रेणी के देशों में शामिल हो जाएगा। भारतीय वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य वैज्ञानिक भी इस सौर अभियान के नतीजों का इंतजार करेंगे। डॉक्टर सोमनाथ ने विश्वास जताया है कि हम इस अभियान को बड़ी सफलता दिलाएंगे। बहरहाल, सौर अभियान से ज्यादा महत्वपूर्ण हमारे लिए चंद्र अभियान है। चंद्रयान-1 पूरी तरह सफल रहा था, लेकिन चंद्रयान-2 की विफलता ने हमें एक तरह से पीछे धकेल दिया और अब चंद्रयान-3 की सफलता हर हाल में सुनिश्चित रहने में ही देशहित है। ऐसे अभियान जब सफल होते हैं, तब दुनिया में मजबूती का संदेश जाता है और जब नाकाम होते हैं, तब प्रतिकूल देशों को हंसने का मौका मिलता है। ऐसा चंद्रयान-2 के समय हुआ था। इसमें कोई संदेह नहीं कि वैज्ञानिकों को पूरी चुनौती स्वीकार करते हुए अंतरिक्ष अभियान को तेज करना चाहिए। यहां दूसरे देशों से प्रतिस्पर्द्धा का भाव जरूरी है। गौर करने की बात है कि जब से अंतरिक्ष में रूस और अमेरिका की होड़ खत्म हुई है, तब से कोई इंसान चांद पर नहीं गया है। इसरो के अनुसार, चंद्रयान-3 की संरचना चंद्रयान-2 की तरह ही होगी। यह ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर से लैस होगा। हालांकि, इस यान पर पिछले यान की तुलना में कम भार होगा। यहां प्राथमिक उद्देश्य लैंडर को चंद्रमा की कक्षा में ले जाना और उसे वहां सतह पर उतारना होगा। चंद्र अभियान के मामले में विगत दिनों में अमेरिका, जापान, चीन के अंतरिक्ष केंद्र कहीं बेहतर काम कर रहे हैं। चीन तो सबसे ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। उसने अमेरिकी तकनीक से काफी कुछ सीखा है। भारत को भी मित्र देशों के साथ मिलकर अंतरिक्ष अभियान को तेज करना चाहिए।

राहुल गाँधी की लोक सभा सदस्यता रद्द होने से राजनीतिक मंथन व मुल्याकंन तेज

(लेखक- विनोद तकियावाला)

वैश्विक राजनीति के झितिज पर इन दिनों भारतीय राजनीति की चर्चा व चिन्तन चहुँ दिशाओं में हो रही है ।राष्ट्रीय वअन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के चिन्तकों की चिन्ता की लकीरें स्पष्ट रूप से दिखाई पड रही है ।उनका मानना है विश्व के सबसे बडे लोकतंत्र भारत में नित्य प्रतिदिन घटने वाली घटनाओं से खासकर केन्द्र में सतारूढ़ पार्टी की नियत व निति ठीक नही है ।इसका प्रत्यक्ष प्रमाण लोकतंत्र के मन्दिर(संसद) में बजट सत्र के द्वितीय सत्र दौरान सता पक्ष - विपक्ष के तीखी नोंक-झोंक व सता पक्ष का राहुल गाँधी माफी माँगने की जिद्द पर अढ़े रहना है ।वही दुसरी ओर विपक्ष द्वारा हिडन वर्ग के रिंपोट पर जे पी सी गठन की माँग करना है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नही है ।हमारे संविधान के र्निमाताओ ने सपने में कभी नही सोचा होगा कि भारतीय मतदाताओ ने जिस दल को सता के सिंधासन पर प्रचण्ड बहुमत से एक बार नही बल्कि दुसरे बार भी दिल्ली की सिंधासन उन्हें पर बिठाया ताकि वे देश की जनता व भारत का विकाश हो सकें,लेकिन आज उसी सरकार ने अपने चंद चेहतो के लिए सरकारी खजाने को लुटाने की ढान रखी है। केन्द्र में वर्तमान सरकार के इस रैवये से बेचारी व वेबस जनता हैरान व परेशान है ।आये दिनों केन्द्र की सरकार द्वारा स्वतंत्र जाँच ऐजेसीं का दूर उपयोग कर सम्पूर्ण विपक्ष को जाँच के नाम पर परेशान किया जा रहा है। ऐन केन प्राकेण विपक्ष को डरा धमका कर रखा जा सके ।यह जगजाहिर है ।इसक जीता जागता उदाहरण आये दिनों हमें देखने को मिलता रहता है ।चाहे वह दिल्ली की शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया/बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालु यादव व उनके परिवार के सदस्यों/बंगाल के टी एम सी के नेता हो,हद तो तब हुई जब देश की आजादी अंहम भूमिका व देश तीन तीन प्रधान मंत्री देने वाले कांग्रेश पार्टी के नेता राहुल गांधी के खिलाफ संसद में नारे बाजी कर संसद में विपक्ष को देश व जनता के समाने झठी छवि पेस की गई ।इतना ही नही एक तरफ लोकतंत्र के मंदिर में हंगामा किया गया है दुसरी ओर वही जगह जगह पर भाजपाईयो द्वारा राहुल गाँधी की लोक सभा की सदस्यता समाप्त करने के लिए माँग की जा रही है ।इस ड्रामा का पटाक्षेप सुरत के एक अदालत के द्वारा राहुल गाँधी के खिलाप सजा सुनाये गये फ़ैसले से हुआ ।खैर यह माननीय न्यायलय का फैसला है ।इस पर टीका टिप्पणी करना उचित नहीं होगा ।इस निर्णय से राहुल गांधी राजनीतिक भविष्य पर चर्चा व चिन्तन चारों दिशाओं में आग की फैलने लगी है। वह भी तब जब कई राज्यो में विधान सभा का चुनाव होने वाला है ।चुनाव के इस साल में राजस्थान और मध्य प्रदेश से भी पहले अगले दो महीनों मे कर्नाटक में चुनाव होने वाले हैं ।वहां फिलहाल भाजपा की सत्ता है,जो कांग्रेस से कुछ विधायक बाहर निकल जाने के बाद बनी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा और फिर लोकसभा सदस्यता जाने के मुद्दे पर जहां भारत में पूरा विपक्ष बिफर गया है,वहीं इसे लेकर अब संयुक्त राष्ट्र से लेकर अमेरिकी सांसद तक के बयान सामने आए हैं। भारतीय मूल के प्रभावशाली अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने शुक्रवार को राहुल गांधी को लोकसभा सदस्यता से अयोग्य घोषित किए जाने के फैसले को गांधीवादी विचारधारा के साथ 'गहरा विश्वासघात करार दे दिया ।अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने ट्वीट किया, राहुल गांधी को संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराया जाना गांधीवादी दर्शन और भारत के गहरे मूल्यों के साथ गहरा विश्वासघात है ।उन्होंने कहा,यह वह नहीं है,जिसके लिए मेरे दादाजी ने अपनी जिंदगी के कई साल जेल में कुर्बान कर दिए थे। आप को बता दे कि रो खन्ना अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में सिलिकॉन वैली का प्रतिनिधित्व करते हैं ।वहभारतऔरभारतीय-अमेरिकियों पर अमेरिकी संसद के कॉकस के सह-अध्यक्ष हैं ।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है ।रो खन्ना ने एक अन्य ट्वीट में कहा,भारतीय लोकतंत्र के हित के लिए आपके पास इस फैसले को पलटने की शक्ति है। वहीं,अमेरिका में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के उपाध्यक्ष जॉर्ज अब्राहम ने राहुल की अयोग्यता को भारत में लोकतंत्र के लिए एक दुखद दिन करार दिया ।राहुल गांधी को अयोग्य ठहराकर मोदी सरकार ने हर जगह अभिव्यक्ति की आजादी और भारतीयों की आजादीकेअधिकार के लिए मौत की घंटी बजा रही है ।राहुल गांधी को सूरत कोर्ट की ओर से सुनाई गई सजा का मामला यूएन तक पहुंच चुका है ।संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता फरहान हक का इस मसले पर शुक्रवार को ही बयान आया था ।उन्होंने कहाकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा और कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ उनकी पार्टी द्वारा अपील करने की खबरों से संयुक्त राष्ट्र अवगत है ।फरहान हक ने प्रेस कांफ्रेंस में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा,मैं कह सकता हूं कि हम राहुल गांधी के मामले से अवगत हैं ।हम समझते हैं कि उनकी पार्टी फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है ।इस स्तर पर मैं इतना ही कह सकता हूं ।आप को बता दे कि यह घटना सन 2019 लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक के कोलार के चुनावी रैली में राहुल गांधी ने कहा था ।कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है? इसी को लेकर भाजपा विधायक व गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था ।उनका आरोप था कि राहुल ने अपनी इस टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय का मान घटाया है ।वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने 2019 के आम चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में आयोजित जनसभा में इस मामले से जुड़ी टिप्पणी की थी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एचएच वर्मा की अदालत ने पिछले शुक्रवार को दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाने के लिए 23 मार्च की तारीख तय की ।राहुल इस मामले की सुनवाई के दौरान तीन बार अदालत में पेश हुए ।अक्तूबर 2021 में बयान दर्ज कराने के लिए अदालत पहुंचे राहुल ने खुद को निर्दोष बताया था ।अब इसी मामले में राहुल को सजा सुनाई गई है ।क्या कांग्रेस पार्टी अपने हाथ से निकल चुकी प्रतिष्ठा हासिल कर पायेगी7विपक्षी दलों के इकट्ठा आने का जो सपना है,क्या वह अब पूरा होगा? ऐसे कई सवाल उठने शुरू हो गए हैं ।हालाकि 2024 के लोकसभा चुनाव होने में अभी एक साल से ज़्यादा का समय है पर उससे पहले कर्नाटक,राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं. इन तीनों राज्यों में कांग्रेस की टक्कर सीधे-सीधे भाजपा के साथ होनी है. ऐसे में ये सवाल भी उठ रहा है कि राहुल गांधी की सदस्यता जाने से क्या कांग्रेस इसे चुनावी माहौल कोअपने पक्ष में बना पाएगी? क्या राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से हासिल राजनीतिक प्रतिष्ठा को आगे बढ़ा पाएंगे या फिर ये माना जाए कि बीजेपी ने अपने प्रतिस्पर्धी को इस मौक़े पर मात दे दी है? राहुल गांधी समेत सभी विरोधी दलों के लिए अब जनता को ये बताने का एक मौक़ा है कि उनको कैसे निशाने पर लिया जा रहा है। यह कांग्रेस पर निर्भर पर करेगा कि वह किस तरह से राहुल गांधी की सदस्यता जाने की घटना को जन आंदोलन खड़ा कैसे करती है ।सारे विरोधी दल इस मामले में राहुल गांधी के साथ खड़े हैं।राजनीति के पंडितों की यह राय बनती जा रही है कि यह लोकतंत्र के ख़िलाफ़ हैऔर सभी विरोधी दलों के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है ।इस पर सर्वसम्मति कैसे बनती है,सारे राजनीतिक दल आप में इकट्ठा कैसे रह पाते हैं,किन मुद्दों पर विपक्षी एकता बढ़ती है या बिखरती है। ये तो आने वाले वक्त बतायेगा ।वही कांग्रेस अपने कैडर को किस तरह जोश दे पाती है, ये सब देखने वाली बात होगी। लेकिन भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ की राय है कि कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल अभी तक मतदाताओं को बीजेपी के ख़िलाफ़ खड़ा नहीं कर पाए हैं ।विपक्षी दल अभी तक लोगों को प्रेरित नहीं कर सके हैं ।हम उनके बारे मे विश्वास से कुछ नहीं कह सकते है ।हालांकि एक चीज़ साफ दिख रही है कि इस फ़ैसले से राहुल गांधी को फायदा होने की संभावना ज़्यादा है ।कुछ लोगो ने इस घटना की सन 1975 केआपातकाल के बाद जेल जाने की घटना को इंदिरा गांधी से तुलना कर रहे है , आज भी वैसा ही राहुल गांधी को ये मौका मिला है ।इस निर्णय ने कांग्रेस में नई ऊर्जा डाल दी है ।इंदिरा गांधी को इमरजेंसी के बाद वर्तमान सरकार के द्वारा सताया गया था ।इंदिरा गांधी ने आपातकाल लाकर जो ग़लती की थी7बाद में उन्हें जेल भेज दिया गया तो उन्होंने सत्ता में पुन:अपनी वापसी की थी ।कुछ राजनीति पंडित का मानना है कि राहुल गांधी के लिए यह ब्लेसिंग इन डिसगाइज़ होगा ।इससे पहले किसी को डिफ़ेमेशन केस में दो साल की सज़ा नहीं हुई.तो यह सब बाइ डिज़ाइन किया गया है। भाजपा के सामने भी चुनौती खड़ी हो सकती है ।उन्हें सहानुभूति भी मिलेगी ।एक तरफ राहुल गांधी के लिए यह एक अच्छा मौक़ा हो सकता है ।लेकिन लोगों की चिन्ता है कि इस घटना को कांग्रेस पार्टी को कैसे फायदा होगा?कांग्रेस पार्टी महंगाई,बेरोज़गारी,अडानी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे उठा रही है और उन्हें लोगों से प्रतिक्रिया मिल रही है ।कांग्रेस ऐसी पार्टी भी रही है कि जन आंदोलन या जन भावनाओं के सैलाब पर सवार होकर सत्ता में आ जाए ।जैसा कि श्री मति इंदिरा गांधी की हत्या के बाद ऐसा माहौल बना था और राजीव गांधी 400 से ज़्यादा सीटें लेकर जीते थे ।मगर फिलहाल लोगों का गुस्सा,भावनाएं और जनसैलाब जैसा माहौल तो नहीं दिख रहा है।कांग्रेस का आरोप अडानी पर सवालों से बचने के लिए राहुल को घेर रही है ।कांग्रेस पार्टी व कांग्रेसी लोगों को बताएं कि आज राहुल गांधी के साथ जो हुआ है ।वह कल किसी भी के भी साथ हो सकता है। खैर मुझे क्या,फिलहाल आप से यह कहते हुए विदा लेते है कि- ना ही काहुँ से दोस्ती,ना ही काहुँ से बैर ।

खबरीलाल तो माँगे,सबकी खैर ।

फिर मिलेगे,तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग।

स्वतंत्र पत्रकार/स्तम्भकार।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

उनके डंके में गुम रही जो आवाज़!

हेमंत पाल

फ़िल्मी दुनिया के रिवाज अजीब हैं। यहां एक बड़ी प्रतिभा के पीछे कई दूसरी प्रतिभाएं दब जाती हैं। ऐसे ही जब मंगेशकर बहनों का डंका बजता था, तब कई मधुर पार्श्व गायिकाओं को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिला। ऐसी ही एक गायिका हैं, सुमन कल्याणपुर। उन्होंने अपने दौर के करीब सभी बड़े संगीतकारों के लिए गीत गाये। उनकी आवाज और गायकी का अंदाज काफी हद तक लता मंगेशकर से मिलता था। यही कारण रहा कि जब भी लता की किसी संगीतकार या गायक से अनबन हुई, तो उसका लाभ सुमन कल्याणपुर को मिला। लेकिन, उनके जीवन में एक घटना ऐसी घटी जो उन्हें आज भी कचोटती है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में आयोजित 'आषाढी महोत्सव' के दौरान सुमन कल्याणपुर ने उस बात का खुलासा भी किया था। उन्होंने बताया था कि 1946 में पंडित जवाहरलाल नेहरू के सामने मुझे 'ए मेरे वतन के लोगो' गीत गाने का मौका मिला था। यह जानकर मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लेकिन, जब कार्यक्रम के दौरान गाना गाने को मंच के पास पहुंची तो मुझे रोका और कहा गया कि इस गाने के बजाय आप दूसरा गाना गाएं। कल्याणपुर ने बताया था कि 'ए मेरे वतन लोगो' मुझसे छीन लिया गया। एक समय जब किसी मामले में मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर में अनबन हुई तो इसका लाभ सुमन कल्याणपुर को मिला। रफ़ी के साथ गाये उनके अधिकांश गीत कामयाब हुए। दिल एक मंदिर है, तुझे प्यार करते हैं करते रहेंगे, अगर तेरी जलवानुमाई न होती, मुझे ये फूल न दे, बाद मुद्दत के ये घड़ी आई, ऐ जाने तमन्ना जाने बहारां, तुमने पुकारा और हम चले आए, अजहूं न आए बालमा, ठहरिए होश में आ लूं तो चले जाईएगा, ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे, रहें ना रहें हम महका करेंगे, इतना है तुमसे प्यार मुझे मेरे राजदार और 'दिले बेताब को सीने से लगाना होगा' जैसे गीत उसी दौर में बने थे। अपनी गुमनाम जिंदगी के बावजूद सुमन कल्याणपुर का लता मंगेशकर से हमेशा अपनत्व बना रहा। उन्हें आज भी लताजी के गाने पसंद हैं। उनका कहना है कि लता दीदी की आवाज बहुत कोमल और मधुर थी। उनकी आवाज मतलब एक ऐसा स्वर जो हम सभी के लिए आदर्श था। मैं उनसे चार या पांच बार ही मिली, लेकिन जब भी मिली तो मुझे अपनापन महसूस होता था। हमारा एक ही डुएट गाना 'चांद के लिए' भी रिकॉर्ड हुआ था।' सुमन कल्याणपुर का जन्म 28 जनवरी, 1937 को ढाका में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के बड़े बाबू शंकरराव हेमाड़ी के यहां उनकी पहली संतान के रूप में हुआ। शंकर बाबू और उनकी पत्नी सीता ने अपनी बेटी का नाम सुमन रखा। बच्चों की बेहतर पढ़ाई के लिए शंकर बाबू सपरिवार 1943 में मुंबई चले आए। उनके घर में कला और संगीत की तरफ सभी का झुकाव था। पहली बार उन्हें 1952 में 'ऑल इंडिया रेडियो' पर गाने का मौका मिला। ये सुमन कल्याणपुर का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था! इसके बाद 1953 में उन्हें मराठी फिल्म 'शुक्राची चांदनी' में गाने का मौका मिला। उन्हीं दिनों शेख मुख्तार फिल्म 'मंगू' बना रहे थे जिसके संगीतकार मोहम्मद शफी थे। मराठी गीतों से प्रभावित होकर ही उन्होंने 'मंगू' में तीन गीत रिकॉर्ड करवाए थे। किन्तु, न जाने क्या हुआ और 'मंगू' के संगीतकार को बदल दिया गया। मोहम्मद शफी की जगह ओपी नैयर आ गए। उन्होंने सुमन कल्याणपुर के तीन में से दो गीत हटा दिए और सिर्फ एक लोरी 'कोई पुकारे धीरे से तुझे' ही रखी। 'मंगू' के फौरन बाद उन्हें इस्मत चुगताई और शाहिद लतीफ की फिल्म 'दरवाजा' में नौशाद के साथ पांच गीत गाने का मौका मिला। साल 1954 में उन्हें ओपी नैयर के निर्देशन में बनी फिल्म 'आरपार' के हिट गीत 'मोहब्बत कर लो, जी भर लो, अजी किसने रोका है' में रफी और गीता का साथ देने का मौका मिला था। सुमन के मुताबिक इस गीत में उनकी गायी एकाध पंक्ति को

छोड़ दिया जाए तो उनकी हैसियत महज कोरस गायिका की रह गई थी। आज भी उनका नाम उन सुरीली गायिकाओं में होता है, जिन्होंने लता मंगेशकर के एकाधिकार के दौर में अपनी पहचान बनाई। इसके बावजूद उन्हें वो जगह कभी नहीं मिली, जिसकी वो हकदार थीं। शास्त्रीय गायन की समझ, मधुर आवाज़ और लम्बी रेंज जैसी सभी खासियतों के होते हुए भी सुमन कल्याणपुर को कभी लता मंगेशकर की परछाई से मुक्त नहीं होने दिया गया। करीब तीन दशक के अपने कैरियर में उन्होंने कई भाषाओं में तीन हजार से ज्यादा फिल्मी-गैर फिल्मी गीत-ग़ज़ल गाये। बचपन से सुमन कल्याणपुर की पेंटिंग और संगीत में दिलचस्पी थी। अपने पारिवारिक मित्र और पुणे की प्रभात फिल्म्स के संगीतकार पंडित 'केशवराव भोले' से उन्होंने संगीत सीखा। उन्होंने गायन को शौकिया सीखना शुरू किया था। लेकिन, धीरे-धीरे इस तरफ उनकी गंभीरता बढ़ने लगी तो वो विधिवत 'उस्ताद खान अब्दुल रहमान खान' और 'गुरुजी मास्टर नवरंग' से संगीत की शिक्षा लेने लगीं। सत्तर के दशक में नये संगीत निर्देशकों और गायिकाओं के आने के साथ ही सुमन कल्याणपुर की व्यस्तताएं कम हो गई। 1981 में बनी फिल्म 'नसीब' का 'रंग जमा के जाएंगे' उनका आखिरी रिलीज गीत साबित हुआ।

सुमन कल्याणपुर को रसरंग (नासिक) का 'फाल्के पुरस्कार' (1961), सुर सिंगार संसद का 'मियां तानसेन पुरस्कार' (1965 और 1970), 'महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार' (1965 और 1966), 'गुजरात राज्य फिल्म पुरस्कार' (1970 से 1973 तक लगातार) जैसे करीब एक दर्जन पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें मध्यप्रदेश सरकार ने भी वर्ष 2017 के लिए राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान दिया। बरसों की गुमनामी के बाद अब उन्हें पद्मश्री दिया जाना एक गलती को सुधारने जैसी बात है।

विचार मंथन

आर्थिक मंदी को क्यों नहीं समझ पाए अर्थशास्त्री?

(लेखक - सनत जैन)

सारी दुनिया के देश सबसे बड़ी आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। 2008 में लीमैन ब्रदर्स के दिवालिया होने के बाद भी अर्थशास्त्रियों ने कोई सबक नहीं लिया। इंग्लैंड की महारानी ने लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स की एक बैठक में आर्थिक शिक्षाविदों से पूछा था कि अमेरिका में इतनी बड़ी मंदी आ गई। लेकिन उसे कोई समझ क्यों नहीं पाया। इसका किसी ने जवाब नहीं दिया। 15 साल बाद एक बार फिर यही स्थिति पूरी दुनिया के सामने बन गई है। आर्थिक विशेषज्ञ इसका कोई जवाब नहीं खोज पाए हैं। य दि जवाब है, तो भी वह बोलना नहीं चाहते हैं। विश्व बैंक ने कर्ज लेकर आर्थिक विकास की जो नई परिकल्पना सारी दुनिया के देशों को दी थी। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से जो सपना सारी दु निया को दिखाया था, वह सपना वास्तविक रूप में धरातल पर कहीं पर भी नहीं दिख रहा है। पिछले 20 वर्षों में सारी दुनिया के देशों ने बड़ी मात्रा में कर्ज लिया। दुनिया के देशों ने आम नागरिकों को भी कर्ज के बोझ से दबा दिया। विकास के नाम पर विनाश की नई आधारशिला खुद विश्व बैंक ने सारी दुनिया के सामने रखी है। यही एक कारण है कि सारी दुनिया के अर्थशास्त्री चाहकर भी बोलने की स्थिति में नहीं है। वै श्विक अर्थ व्यवस्था की इस हालत से विश्व बैंक जैसी संस्था जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ना चाहती है। इससे अर्थशास्त्री खामोश हैं। कर्ज की अर्थव्यवस्था से जब तक कर्ज में दी गई राशि को जहां पर भी उसे खर्च किया गया है, वहां से यदि कोई आय नहीं हैं। आय भी ऐसी हो,

जिसमें कर्ज और ब्याज की अदायगी की जा सके। यदि ऐसा नहीं होगा, तो कर्ज का ब्याज उसे कुछ ही वर्षों में दिवालिया बना देगा। जिसमें पूंजी भी डूबेगी और जो पैसा कर्ज में लिया है। उसमें कर्जदाता का भी पैसा नियम से डूबना तय है। पिछले 2 दशक में बड़े पैमाने पर कर्ज की वैश्विक अर्थव्यवस्था के नियम ने सारी दुनिया के देशों और वहां के नागरिकों को कर्ज से दबा दिया है। आय कहीं बढ़ नहीं रही है। कर्ज के ऊपर ब्याज और किस्त का बोझ दुनिया भर के सभी देशों की सरकारों और आम आदमियों को परेशानी में डाल चुका है। कर्जदार अपनी कर्ज और ब्याज की किस्ते नहीं चुका पा रहे है।

पिछले तीन दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था ने जिस तरीके का लालच और अफरा-तफरी का माहौल वित्तीय संस्थाओं द्वारा तैयार किया गया था। सब भेड़ चाल की तरह उसके पीछे भाग रहे थे। कर्ज पर राजनीति हावी हो गई थी। विकास के नाम पर सरकार में बैठे राजनेताओं ने बहुत कर्ज लिया। इस कर्ज से भारी भ्रष्टाचार किया। कर्ज ली गई राशि को ऐसी जगह पर निवेश किया गया, जहां से उसकी पुर्नअदायगी संभव ही नहीं थी। इसको वर्तमान अर्थशास्त्री जानते हुए भी खुलकर बोलने के लिए तैयार नहीं है। पिछले दो दशकों में बैंकों ने जमाकर्ताओं की जमा राशि को सुरक्षित निवेश करने के स्थान पर ज्यादा ब्याज कमाने के चक्कर में जोखिम वाले लोन पर ज्यादा निवेश किया है। जैसे ही जमाकर्ता को पता लगता है कि उसका जमा निवेश जोखिम में पहुंच गया है, वह बैंकों से पैसा निकालने के लिए पहुंच जाता है। जिसके कारण बैंकों में भगदड़ की स्थिति बन जाती है।

अमेरिका के साथ-साथ अब जर्मनी जैसे देश के बैंक भी आर्थिक संकट के शिकार हो रहे हैं। जमाकर्ता द्वारा अपना पैसा निकाला जा रहा है। वहीं बैंकों में पैसा जमा नहीं हो रहा है। बैंकों का कर्ज जोखिम में पहले ही चला गया है। कर्ज की वसूली नहीं हो पा रही है। जिसके कारण सारी दुनिया का अर्थ तंत्र बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं ही सबसे बड़ी जिम्मेदार हैं।

वैश्विक अर्थ तंत्र को यदि बनाए रखना है तो वैश्विक वित्तीय संस्थाओं को नई स्थितियों पर ध्यान देना होगा। व्यवस्था बनानी होगी, जो कर्जदार देश या जो व्यक्ति कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं, उन्हें कुछ समय दिया जाना होगा। ब्याज और किस्त की वसूली स्थगित करनी होगी। जमाकर्ताओं को भी नुकसान ना हो, इसका भी ध्यान रखना होगा। तभी जाकर वैश्विक आर्थिक संकट से निपटा जा सकता है।

आने वाले दिन सारी दुनिया के देशों और उसमें रहने वाले नागरिकों के लिए बहुत भयानक होंगे। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया का कोई भी आ र्थिक सिस्टम ना तो कभी सफल हुआ है, ना कभी होगा।

कर्ज से मु क्ति अथवा आय के अनुरुप कर्ज की अदायगी के व्यवहारिक नियम बनाने होंगे। अन्यथा आर्थिक कारणों से सारी दु निया एक नई मुश्किल में फंसने जा रही है।

सिलिकॉन वैली बैंक को फर्स्ट सिटिजन बैंक ने खरीदा

न्यूयॉर्क। वित्तीय संकट से घिरे अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक को लेकर बड़ी खबर है। सिलिकॉन वैली बैंक को फर्स्ट सिटीजन बैंक ने खरीद लिया है। बैंक को आर्थिक संकट से निकालने के लिए फर्स्ट सिटीजन बैंकशेयर इंक ने इसे फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से खरीदा है। इस बारे में फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि फर्स्ट सिटीजन बैंक और ट्रस्ट ने सिलिकॉन वैली बैंक के सभी डिपॉजिट्स और लोन को खरीदने के लिए सहमति दे दी है। 27 मार्च को सिलिकॉन वैली ब्रिज बैंक, नेशनल एसोसिएशन के 17 ब्रांचेज़ फर्स्ट सिटीजन्स के नाम से खुलेंगे। सिलिकॉन वैली बैंक के ग्राहक मौजूदा ब्रांच का इस्तेमाल कर पाएंगे। हालांकि, इसके फर्स्ट सिटीजन्स से मिले नोटिस की जरूरत होगी। जारी बयान के मुताबिक इसके सभी अन्य ब्रांचेज़ पर फुल सर्विस बैंकिंग की अनुमति देने के लिए सिस्टम कनवर्जन पूरा हो गया है। बात सिलिकॉन वैली बैंक के कुल ऐसेट्स की करें तो ये 10 मार्च तक के आंकड़ों के मुताबिक 167 अरब डॉलर पर थे और इसके कुल डिपॉजिट 119 अरब डॉलर के थे। इस ट्रांजेक्शन में सिलिकॉन वैली बैंक के 72 अरब डॉलर के ऐसेट्स डिस्काउंट पर खरीदे गए। इन ऐसेट्स को 16.5 अरब डॉलर के डिस्काउंटेड प्राइस पर खरीदा गया है। बता दें, अमेरिका के सिलिकन वैली बैंक के डूबने के बाद फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को इसका रिसीवर नियुक्त किया गया था। फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने से करीब 20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

सियोल ऑटो शो साउथ कोरिया में 30 को प्रदर्शित होगी आठवीं जेनरेशन सोनाटा

मुंबई।

हुंडई सियोल ऑटो शो साउथ कोरिया में 30 मार्च को आठवीं जेनरेशन सोनाटा को पद्रर्शित करने वाली है। ऑफिशियल लांच से पहले इसकी डिटेल्स सामने आई हैं, इसके अनुसार इसमें कई सारे बदलाव किए गए हैं। यह बदलाव इसके एक्सटीरियर के साथ-साथ केबिन में भी किए गए हैं। इसका डिजाइन कोना इलेक्ट्रिक एसयूवी और हाल ही में लांच हुई हुंडई सेडान जैसा दिखाई देता है। नई सोनाटा के सामने में सिग्नेचर एलईडी हैडलैंप्स दिए गए हैं। इसके अलावा अपडेटेड एलईडी हैडलैंप, बंपर, फेंडर्स, पैरामीट्रिक ज्वैल थीम पर डिजाइन ग्रिल, बदले हुए एयरोडायनामिक्स और ग्रिल पर एन-लाइन बैज दिया गया है। नई सोनाटा के केबिन में नया डिजाइन किया हुई डैशबोर्ड, 12.3 इंच ट्विन एचस्कीन डिस्प्ले, इंफोटेनमेंट सिस्टम, इंस्ट्रूमेंट कलस्टर, नया सेंट्रल कलाइमेट कंट्रोल पैनल दिया गया है। फिलहाल इसके मकैनिकल पार्ट के बारे में कोई जानकारी सामने नही आई है, लेकिन इसमें 3 पावरट्रेन ऑप्शन दिए जाएंगे। यह बता दें कि नई सोनाटा को हाइब्रिड पावरट्रेन में भी पेश किया जाएगा।

अमेरिकियों ने बैंकों से निकाले 100 बिलियन डॉलर

मुंबई। सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) और सिग्नेचर की नाकामी के बाद अमेरिकी खाताधारकों में अमेरिकी बैंकों में रखे कैश को लेकर डर का माहौल है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अमेरिकियों ने अपने बैंक खातों से करीब 100 बिलियन डॉलर की निकासी की है। हालांकि अमेरिकी नियामकों द्वारा जनता को भरोसा दिलाया गया कि बैंकिंग प्रणाली सुरक्षित है। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की तरफ से बैंकिंग सेक्टर में संभावित तरलता संकट पर निवेशकों को आश्वासन देने के बाद शु' वार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि 24 मार्च को खत्म हुआ हफ्ता अमेरिकी बाजारों के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कल के कारोबारी सत्र के शुरुआत में अमेरिका के तीनों अहम इंडेक्स की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। यूरोपियन बैंकों में आई बिकवाली का असर इन पर देखने को मिला था। हालांकि क्लोजिंग बेल के बजने तक इस सारी गिरावट की भरपाई हो गई। फेड की तरफ से ब्याज दरों में बढ़त और बैंकिंग सिस्टम के स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती चिंताओं की वजह से ये पूरा हफ्ता काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा लेकिन अच्छी बात ये रही कि तीनों सूचकांकों ने हफ्ते का समापन साप्ताहिक आधार पर बढ़त के साथ किया।

पटना में पेट्रोल 108 के पार, यूपी में भी बढ़े दाम

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर उछाल आना शुरू हो गया है। वैश्विक बाजार में 'ूड 75 डॉलर प्रति बैरल के भाव को पार कर गया है। इस बीच सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। पटना में तो पेट्रोल का भाव 108 रुपए लीटर को भी पार कर गया है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 10 पैसे महंगा हुआ 96.57 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 32 पैसे महंगा हुआ और 108.12 रुपए लीटर पहुंच गया है। डीजल भी 30 पैसे चढ़कर 94.86 रुपए लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में भी पेट्रोल 4 पैसे महंगा हुआ और 96.93 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 4 पैसे महंगा होकर 89.80 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में भी 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी उछाल आया है। ब्रेंट 'ूड का भाव बढ़त के साथ 75.35 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी वैश्विक बाजार में गिरकर 69.60 डॉलर प्रति बैरल हो गया ह। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.72 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुगाम में पेट्रोल 96.93 रुपए और डीजल 89.80 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

इस साल अडाणी सबसे ज्यादा दौलत गंवाने के मामले में पहले नंबर पर

- मस्क, बेजोस और गेट्स ने मिलकर भी नहीं इतने नहीं कमाए, जितने गौतम अडानी ने गंवाए

नई दिल्ली।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी इस साल सबसे ज्यादा दौलत गंवाने के मामले में पहले नंबर पर है। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने से पहले वह दुनिया के अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर थे लेकिन अब 21वें नंबर पर खिसक गए हैं। अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार एक महीने से भी अधिक समय तक गिरावट रही और इस कारण गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की सूची में 35वें नंबर तक भी चले गए थे। इस साल उनकी नेटवर्थ में 60.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अभी उनकी नेटवर्थ 59.8 अरब डॉलर रह गई है। अडानी ने इस साल जितनी नेटवर्थ गंवाई है, वह एलन मस्क, जेफ बेजोस और बिल गेट्स की इस साल की कुल कमाई से ज्यादा है। सबसे ज्यादा दौलत कमाने के मामले में मस्क नंबर वन हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 38.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वह 176 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। बेजोस की नेटवर्थ 14.5 अरब डॉलर बढ़ी है और वह 121 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के तीसरे बड़े रईस हैं। गेट्स ने इस साल 7.03 अरब डॉलर की कमाई की है और वह 116 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। इस तरह मस्क, बेजोस और गेट्स ने इस साल कुल 60.3 अरब डॉलर कमाए हैं जबकि अडानी ने अकेले 60.7 अरब डॉलर गंवाए हैं।

वैसे इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में मेटा (फेसबुक) के सीईओ मार्क जकरबर्ग दूसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 30.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 75.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में 13वें नंबर पर हैं। उनके ऊपर 12वें नंबर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के

चेयरमैन मुकेश अंबानी हैं। अंबानी की नेटवर्थ में इस साल 11.3 अरब डॉलर की गिरावट आई है। उनकी नेटवर्थ अब 75.8 अरब डॉलर रह गई है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में आठ अमेरिका और दो फ्रांस के हैं। बर्नार्ड आरनॉल्ट 189 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस सूची में पहले नंबर पर हैं।

वनवेब की दरें भारत में मोबाइल शुल्क दरों की बराबरी नहीं कर सकतीं- मित्तल

मुंबई ।

उपग्रह संचार सेवा प्रदाता वनवेब के कार्यकारी चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि कंपनी पश्चिमी देशों की मोबाइल सेवा दरों की बराबरी कर सकती है लेकिन इसकी दरें भारत में मौजूद शुल्क दरों की तरह कम नहीं हो सकती हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में रविवार को 36 उपग्रहों के प्रक्षेपण के साथ वनवेब समूह के पास अब 618 उपग्रह हो चुके हैं जो भारत समेत पूरी दुनिया में दूरसंचार सेवा दे सकते हैं। वनवेब परियोजना के प्रमुख मित्तल ने प्रक्षेपण और सेवाओं के बारे में कहा कि इसके तहत दी जाने वाली सेवाएं किफायती होंगी और अगर एक गांव में 30-40 लोग भी इसका उपयोग करते हैं तो दरें मोबाइल सेवा के बराबर ही होंगी। हालांकि भारत में मौजूदा मोबाइल सेवा योजनाओं की तुलना में एकल उपयोग के लिए सेवाओं पर ज्यादा खर्च आएगा। मित्तल ने कहा कि अगर आप पूछें कि क्या उपग्रह दूरसंचार की कीमतें मोबाइल शुल्क के बराबर हो सकती हैं? पश्चिमी देशों में तो ऐसा अभी ही हो सकता है लेकिन 2 या 2.5 डॉलर प्रति महीने के शुल्क वाले भारत के मामले में ऐसा नहीं है। इसकी वजह यह है कि यह दर पहले ही बहुत कम है। मित्तल ने उम्मीद जताई कि वनवेब को जुलाई-अगस्त तक भारत में सेवाओं के संचालन संबंधी सभी जरूरी मंजूरियां मिल जाएंगी। वनवेब को उपग्रह सेवाओं की मंजूरी मिली हुई है लेकिन उसे अंतरिक्ष-संचार नीति के अलावा सिग्नल भेजने के लिए स्पेक्ट्रम आवंटित होने तक इंतजार करना होगा। वनवेब एलन मस्क की स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा के विपरीत अपने उपग्रहों के माध्यम से व्यापक स्तर पर इंटरनेट सेवा देने के लिए गठित कंपनी है। स्पेसएक्स सीधे व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को सेवाएं देती है। वनवेब ने अपने 72 उपग्रह प्रक्षेपित करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से 1,000 करोड़ रुपए का समझौता किया था। वनवेब भूमध्य रेखा से 36,000 किलोमीटर ऊंचाई पर भू-स्थैतिक कक्षा (जीईओ) में स्थापित उपग्रहों का उपयोग करने के पारंपरिक तरीके के बजाय एलईओ उपग्रहों का उपयोग कर ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा प्रदान करती है।

जर्मनी के डॉयचे बैंक के शेयरों में भी रही बड़ी गिरावट

नई दिल्ली।

यूरोप का एक और बैंक डूबने की कगार पर पहुंच गया है। बीते शु' वार को जर्मनी के डॉयचे बैंक के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। शेयरों में आई इस गिरावट का कारण बैंकों का 'िडट डिफॉल्ट होना है। खबरों कें मुताबिक बैंक जिन 'िडट्स को बीमा की सुविधा देती है उसके डिफॉल्ट का भाव बढ़ कर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में यूरोप के इस बैंक के निवेशक भी अब चिंता में पड़ गए हैं। 24 मार्च को डॉयचे बैंक के 'िडट डिफॉल्ट स्वैप में तेजी आने की खबरें सामने आने के बाद बैंक के शेयरों 14 तक की गिरावट दर्ज की गई। 25 मार्च को भी डॉयचे बैंक के शेयर 6.5 फीसदी टूटकर बंद हुए। डॉयचे बैंक का सीडीएस एक तरह का बीमा कवरेज है इसके तहत बैंक कंपनी के बॉन्डहोल्डर्स को किसी डिफॉल्ट के खिलाफ कवर प्रदान करता है। हाल के दिनों डॉयचे बैंक के 'िडट डिफॉल्ट स्वैप में 200 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि आई है। यह आंकड़ा 2019 की शुरुआत के बाद से सबसे अधिक है। स्टैंडर्ड एंड पुअर मार्केट इंटेलिजेंस के आंकड़ों के अनुसार महज दो दिन में ही डॉयचे बैंक के 'िडट डिफॉल्ट स्वैप में 142 बेसिस प्वाइंट की तेजी दर्ज की गई, इससे निवेशकों के माथे पर सिकन पड़ने लगी। बीते हफ्ते गुरुवार को डॉयचे सीडीएस में एक दिन की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। विशेषज्ञ का कहना है कि डॉयचे बैंक पर पिछले कुछ समय से जानकारों की नजर बनी हुई है। बीते दिनों में जो स्थिति 'िडट स्विस की हुई है वैसा ही कुछ डॉयचे बैंक के साथ होने की आशंका बढ़ गई है।

इनकम टैक्स और एमसीए डेटा से जीएसटी चोरी पकड़ी जाएगी

नई दिल्ली।

टैक्स चोरी करने वाले लोगों को पकड़ने के लिए विभाग अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से दिए गए डेटा और मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (एमसीए) के डेटा से मैच करेगा। जिन लिमिटेड लाय बिलिटी पार्टनर शिप (एलएलपी) और कंपनियों का संचालन एमसीए करती है उनकी कंपनियों की जानकारी जीएसटी विभाग के साथ शेयर की जाएगी। बता दें कि करीब 1.3 करोड़ बिजनेस और सर्विस प्रोवाइडर्स जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड हैं। कोरोना महामारी के बाद इकॉनमी में सुधार देखने को मिला है, जिसके बाद बीते 12 महीनों में जीएसटी के तहत होने वाला मंथली टैक्स कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईटीआर फाइल करने वालों का डेटा जीएसटी विभाग मैच करेगा और इसके बाद एमसीए द्वारा संचालित कंपनियां और एलएलपी के जीएसटी रिटर्न के साथ भी फाइनेंशियल डिटेल्स भी मिलाई जाएंगी। बता दें कि ऐसा करने के पीछे का कारण उन लोगों को पकड़ना है जो जीएसटी न चुका कर टैक्स चोरी करते हैं। इसके अलावा वो लोग भी पकड़े जाएंगे जो लोग अलग-अलग नियामक को अलग जानकारियां देते हैं। जिन लोगों को गलत रिटर्न फाइल करने का नोटिस मिलता है तो उन्हें इसका जबाव देना होगा। खबरों के मुताबिक जीएसटी विभाग टैक्स डिफॉल्टर्स को पकड़ने के लिए डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर रहा है।

इसके साथ ही विभाग रजिस्ट्रेशन एप्लिकेशन की जांच भी बारीकी से कर रहा है। अगर कोई नया कारोबार शुरू कर रहा है तो विभाग रजिस्ट्रेशन के लिए ज्यादा जानकारी मांग रहा है। टैक्स चोरों पर लगाम लगाने के लिए सरकार अलग-अलग टैक्स और रेगुलेटरी डेटाबेस के जरिए करदाताओं का पूरा प्रोफाइल बना रही है ताकि अगर कोई टैक्स चोरी करता है तो वो पकड़ी जा सके।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति और एसबीआई के शेयरों में बढ़त से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 126.76 अंक या 0.22 फीसदी बढ़कर 57,653.86 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 40.65 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी बढ़कर 16,985.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति, सन फार्मा, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। इस दौरान सबसे ज्यादा 1.54 फीसदी की बढ़त रिलायंस के शेयर में आई। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स के शेयर नीचे आये। वहीं गत शु' वार को बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स 70.08 अंक की बढ़त के साथ 57,597.18 के स्तर पर नजर आ रहा था। वहीं निफ्टी 29.40 अंक की बढ़त के साथ 16,956.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन वैश्विक बाजारों से अच्छे संकेत मिले।

घर बैठे डिजिटल गोल्ड के बदले मिलेगा लोन

नई दिल्ली।

अब फिजिकल गोल्ड के अलावा डिजिटल गोल्ड पर भी लोन मिलता है। अगर आप भी डिजिटल गोल्ड के बदले लोन लेने का प्लान बना रहे हैं तो अब आपके लिए यह काम आसान है। देश में सबसे पहले शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक ने यह सुविधा साल 2021 में शुरू की थी। बैंक ने डिजिटल गोल्ड के बदले लोन की सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर फिनटेक फर्म इंडियागोल्ड के साथ भागीदारी की थी। इसके माध्यम से ग्राहक 60 हजार रुपए तक का लोन तत्काल ले सकेंगे। इसके लिए ग्राहक अपने डिजिटल तरीके से रखे सोने का उपयोग कर सकेंगे। लोन का भुगतान करने पर ग्राहकों के पास नया कर्ज लेने या फिर अपना गोल्ड दोबारा प्राप्त करने का विकल्प मिलेगा। लोन चुकाने पर ग्राहकों के पास नया कर्ज लेने या फिर अपना सोना घर पर प्राप्त करने का विकल्प होगा। डिजिटल गोल्ड के बदले लोन के लिए मासिक ब्याज दर एक फीसदी से शुरू होगी। इस प्र' िया में 2 मिनट के अंदर लोन मिलेगा और कोई

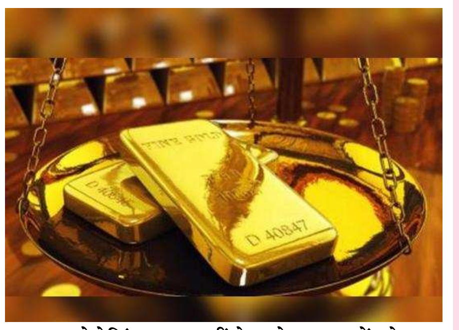

प्रोसेसिंग शुल्क नहीं देना होगा। ग्राहकों को अपने गोल्ड एसेट के एवज में कर्ज लेने को लेकर ब्रांच के चक्कर नहीं लगाने होंगे।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर के साथ ही घरेलू वायदा बाजार में भी गिरावट आई। एमसीएक्स एक्सचेंज पर डिलीवरी वाला सोना 1.01 फीसदी या 599 रुपये की गिरावट के साथ 58,674 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। वहीं वैश्विक स्तर पर भी सोने की कीमतों में आज बड़ी गिरावट रही। सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 1.22 फीसद या 24.20 डॉलर की गिरावट के साथ 1954.01 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 0.78 फीसदी या 0.18 डॉलर की गिरावट के साथ 23.05 डॉलर प्रति औंस पर करता दिखा। सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गयी। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 मई 2023 की डिलीवरी वाली चांदी सोमवार शाम 0.33 फीसदी या 231 रुपये टूटकर 70,180 रुपये प्रति किलोग्राम पर करोबार करता दिखा। वहीं गत सप्ताह यह 70,411 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

देश में एक अप्रैल से बढ़ सकती है गैस की कीमत

नई दिल्ली।

देश में गैस की कीमत में फिर भारी बढ़ोतरी हो सकती है। सरकार एक साल में दो बार स्थानीय रूप से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतें तय करती है। इस गैस को गाड़ियों में उपयोग के लिए सीएनजी में और रसोई में इस्तेमाल के लिए पाइप वाली गैस में बदला जाता है। इसके अलावा गैस का इस्तेमाल बिजली और उर्वरक उत्पादन में भी होता है। इस बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस के मूल्य की सीमा तय करने पर विचार करेगा। इस कदम का मकसद सीएनजी से लेकर उर्वरक कंपनियों के लिए उत्पादन की लागत को कम करना है। घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस के भुगतान के लिए दो फॉर्मूला हैं। इनमें एक ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लिमिटेड जैसी राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनियों के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए भुगतान का फॉर्मूला और दूसरा गहरे समुद्र के नए क्षेत्रों से उत्पादित गैस के भुगतान का फॉर्मूला है। यू'न पर रूस के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में उछाल ने स्थानीय रूप से उत्पादित गैस की दरों को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। पुराने क्षेत्रों से गैस के लिए 8.57 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट और कठिन क्षेत्रों से गैस के लिए 12.46 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की दर तय है। इन दरों में एक अप्रैल को संशोधन होना है।

सूत्रों के मुता बिक मौजूदा फॉर्मूले के अनुसार पुराने क्षेत्रों से गैस की कीमतें बढ़कर 10.7 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक पहुंच सकती हैं। मुश्किल क्षेत्र की गैस के दाम में मामूली बदलाव होगा। गैस कीमतों में पिछले संशोधन के बाद सीएनजी और पीएनजी के दाम 70 प्रतिशत तक चढ़ चुके हैं। यदि एक अप्रैल से दरों में संशोधन होता है तो इसमें और बढ़ोतरी होगी। मौजूदा ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल है। ऐसे में गैस की कीमत 7.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू होनी चाहिए, लेकिन सीमा के कारण ईंधन की कीमत केवल 6.5 डॉलर होगी। समिति ने कठिन क्षेत्रों के लिए फॉर्मूला में कोई बदलाव नहीं करने का सुझाव दिया है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेशी स्टार चमकीं, भारतीय क्रिकेट में बदलाव के वादे के साथ खत्म हुआ डब्ल्यूपीएल

मुंबई

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) ने लुभावना पदार्पण किया और भारत की उभरती हुई महिला ि केटरों के उज्जवल भविष्य के वादे के साथ खत्म हुआ लेकिन जल्दबाजी में आयोजित हुए पहले सत्र के बाद सुधार की काफी गुंजाइश दिखती है। डब्ल्यूपीएल मुंबई के दो स्टेडियम में खेला गया जिसमें दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ ि केटरों ने खास प्रदर्शन किया लेकिन बाएं हाथ की स्पिनर साइका इशाक को छोड़ दें तो इतनी स्थानीय प्रतिभाएं सामने नहीं आ सकीं जितनी की उम्मीद की जा रही थी। पांच टीमों की प्रतियोगिता रविवार को खत्म हुई जिसमें मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी टीम को खिताब दिलाया जबकि फाइनल में उनका सामना ऑस्ट्रेलियाई महान ि केटर मेग लैनिंग की कप्तानी वाली टीम से था। टूर्नामेंट के दौरान कई मैचों में स्कोर 200 रन से ऊपर रहा जबकि बाउंड्री 42 से 44 मीटर छोटी रहीं। मुंबई की हेली मैथ्यूज 16 विकेट झटककर 'पर्पल कैपज विजेता बनी जिसमें से चार विकेट फाइनल में रहे। वहीं नैट स्किवर ब्रंट 'ओवरऑलज शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने 332 रन बनाने के अलावा 10 विकेट झटके। मुंबई इंडियंस की इशाक ने 15 विकेट झटके, उनके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की श्रेयंका पाटिल और कनिका आहुजा ने बड़े मंच अपनी छाप छोड़ी लेकिन भारतीय घरेलू सर्किट और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच अंतर स्पष्ट दिखाई दिया।हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारतीय खिलाड़ियों को ज्यादा भूमिकाएं और खेलने के मौके नहीं मिले लेकिन उन्होंने अपने क्षेत्ररक्षण से अपनी टीम की अहमियत में इजाफा किया जिसमें उन्होंने मुंबई इंडियंस की अमनजोत कौर और जिंतीमणि कलिता का उदाहरण दिया। भारतीय कप्तान ने साथ ही उम्मीद जताई कि युवा और 'अनकैप्डज भारतीय खिलाड़ी अपने अनुभव से और अधिक समझदार होंगी और वे समझ गई होंगी कि उन्हें विदेशी खिलाड़ियों और खुद के बीच अंतर को कम करने के लिये क्या करने की जरूरत है।

दिल्ली के मुख्य कोच जोनाथन बैटी ने भारतीय युवा खिलाड़ियों को दूसरे सत्र के लिये अपने खेल और फिटनेस पर काम करने का संदेश दिया। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को लगातार पांच मैचो में हार का सामना करना पड़ा। इस भारतीय खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि उन्हें बड़े कद की और उनसे ज्यादा अनुभवी खिलाड़ियों से भरी टीम की अगुआई करने में मुश्किल का सामना करना पड़ा। वह खुद भी आरसीबी के लिए बल्ले से योगदान नहीं कर सकीं जिसमें एलिस पैरी, हीथर नाइट, सोफी डेविने, मेगान शट और रेणुका सिंह जैसी खिलाड़ी मौजूद हैं। हीली और सोफी एक्लेस्टन जैसी खिलाड़ियों ने इच्छा जताई कि अगले सत्र से 'होम एंड अवेज (घरेलू और प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर) मैचों का आयोजन किया जाए जिससे टीमों को घरेलू प्रशंसकों का फायदा मिले। यह देखना होगा कि बीसीसीआई अगला डब्ल्यूपीएल 'होम-अवेज प्रारूप में आयोजित करने पर फैसला करता है या नहीं।

आईसीसी ने बदली इंदौर पिच की रेटिंग

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंदौर के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम के पिच की रैटिंग में बदलाव करते हुए इसे अब बिलो एवरेज (औसत से कम) करार दिया है। वहीं पहले इसे पुअर (खराब) रेटिंग दी गयी थी। आईसीसी ने ये बदलाव (बीसीसीआई) की अपील के बाद पूरी मामले की समीक्षा करते हुए किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंदौर के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में हुए बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2023 का टेस्ट मैच तीन दिन में ही समाप्त हो गया था। इसी कारण इसे खराब रेटिंग दी गई थी पर बीसीसीआई की अपील के बाद इसे बदल दिया गया है।

तीसरे टेस्ट के फुटेज की समीक्षा आईसीसी के अपील पैनल ने की। इस पैनल में आईसीसी महाप्रबंधक वसीम खान और आईसीसी पुरुष ि केट कमेटी के सदस्य रोजर हार्पर भी शामिल थे। आईसीसी ने इस मैच के तीन दिन में समाप्त होने बाद इसे खराब दर्जा दिया था। इसमें पहले दो दिन में ही 30 विकेट गिरे थे, वहीं पूरे मैच में कुल 31 विकेट गिरे थे जिसमें 26 विकेट स्पिनरों को मिले थे। वहीं नए नियमों के अनुसार अब बोर्ड आईसीसी के इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकता है, इसके लिए उन्हें 14 दिन तक का समय मिला है। आईसीसी ने इंदौर की पिच को खराब रेटिंग देने के साथ तीन नकारात्मक अंक भी दिए थे। बीसीसीआई ने आईसीसी के इस फैसले के खिलाफ अपील की जिसके बाद आईसीसी ने इसमें बदलाव किया है। इंदौर की पिच को औसत से कम रेटिंग के साथ ही एक नकारात्मक अंक भी मिला था।

सीएसके ने जडेजा और स्टोक्स की तस्वीरें जारी की , प्रशंसकों ने मेसी और रोनाल्डो की जोड़ी के समान बताया

मुम्बई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आजकल 31 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगी है। सीएसके ने इस बार इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को भी अपनी टीम में शामिल किया है। स्टोक्स भी आईपीएल के लिए चेन्नई पहुंचकर सीएसके के कैंप में शामिल हो गए हैं। सीएसके ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से रवींद्र जडेजा और बेन स्टोक्स की तस्वीरें भी साझा की हैं। स्टोक्स को 16.25 करोड़ रुपये में सीएसके ने खरीद है और वह आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल हैं। पूर्व में उन्होंने राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला था। वह 6 साल बाद महेंद्र सिंह धोनी की टीम के साथ जुड़ रहे हैं। वह और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा पहली बार एक साथ खेलते नजर आयेंगे। के साथ खेलेंगे. स्टोक्स भी आईपीएल के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सीएसके ने जडेजा के साथ स्टोक्स की एक तस्वीर साझा की है। इससे सोशल मीडिया में तहलका मचा हुआ है। इसमें विश्व के दो बेहतरीन ऑलराउंडरों को एक ही टीम में एक ही फ्रेम में देखकर प्रशंसक भी हैरान रह गये। वे इस तस्वीर की तुलना फुटबॉल स्टार लियोनल मेसी और ि स्टियानो रोनाल्डो के साथ कर रहे हैं। वहीं, कुछ प्रशंसक इस जोड़ी को रामचरण और जूनियर एनटीआर के साथ भी जोड़कर कमेंट्स कर रहे हैं।

जडेजा का आईपीएल 2022 का सीजन काफी खराब रहा था। हाल ही में उनका अंतरराष्ट्रय ि केट में शानदार प्रदर्शन रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह आईपीएल 2023 में सीएसके की ओर से इसी फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे।

सर्जरी के बाद पहली बार सामने आये बुमराह

मुम्बई। भारतीय ि केट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की सर्जरी के बाद पहली बार प्रशंसकों के सामने आये हैं। बुमराह सर्जरी के कारण इस बार आईपीएल भी नहीं खेलेंगे। प्रशंसक इस बार जोफ्रा आर्चर के साथ उन्हें गेंदबाजी करते देखने के लिए बेकरार थे पर अब उन्हें यह अवसर नहीं मिलेगा। बुमराह सर्जरी के बाद प्रशंसकों के सामने पहली बार रविवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) फाइनल के दौरान आये। बुमराह यहां मुंबई इंडियंस के अपने साथी खिलाड़ियों के साथ महिला टीम का मैच देखने ब्रेबोर्न स्टेडियम पहुंचे थे। इस दौरान वह तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के साथ बैठे हुए दिखे। मुंबई इंडियंस ने बुमराह और आर्चर का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भेजा है।

बुमराह ने सितंबर 2022 में अंतिम बार कोई मैच खेला था। इसके बाद से ही वह पीठ में स्ट्रेस फै• र के कारण बाहर हो गए थे। बुमराह टी20 विश्व कप से भी बाहर थे। सर्जरी के कारण वह आईपीएल के अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी नहीं खेलेंगे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 7 जून को इंग्लैंड में खेला जाना है। अब बुमराह के सितंबर तक वापसी की उम्मीदें हैं।

रैना ने धोनी से पहली मुलाकात को याद किया

नई दिल्ली। बल्लेबाज सुरेश रैना ने टीम इंडिया की ओर से अच्छे प्रदर्शन के साथ ही आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से भी शानदार प्रदर्शन किया है। रैना ने उसी दिन अंतरराष्ट्रीय ि केट को अलविदा कहा जिस दिन टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने संन्यास लिया था। धोनी जहां अभी भी आईपीएल खेल रहे हैं और चेन्नई सुपरकिंग्स सीएसके के कप्तान हैं। वहीं रैना को पिछले साल सीएसके ने बाहर कर दिया था।। रैना ने सीएसके टीम के कप्तान धोनी से अपनी अपनी पहली मुलाकात को याद किया है। रैना के अनुसार वह पहली बार धोनी से साल 2004 में ईस्ट जोन बनाम सेंट्रल जोन मैच के दौरान मिले थे। उन्होंने कहा, तब हम लंबे बालों वाले झारखंड के एक खिलाड़ी के बारे में बहुत कुछ सुन रहे थे, जो लगातार पार्क के बाहर मारने के लिए जाना जाता था। इस एक दिन हम सब घूम रहे थे जबकि धोनी एक कोने में रोटी और बटर चिकन खा रहे थे। तब ज्ञानू भाई ने उन्हें देखा और कहा, मुझे नहीं लगता कि वह हमें कोई नुकसान पहुंचा सकता है। उस मैच में धोनी ने शुरू से ही लंबे छक्के मारने शुरु कर दिये और ज्ञानू भाई को निराश होना पड़ा।

प्लेयर ऑफ द मैच बनने से उत्साहित है ब्रंट

मुंबई। महिला क्रिकेट लीग के खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम मुम्बई इंडियंस को जीत दिलाने वाली साइवर ब्रंट ने प्लेयर ऑफ द मैच का खिलाब जीतने पर खुशी व्यक्त की है। इस मैच में दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 132 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसे मुम्बई ने 20वें ओवर की तीसरी गेंद में हासिल कर लिया। मुंबई की ओर से ब्रंट ने 55 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाये। ब्रंट ने प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड को लेकर कहा, यह बहुत खास था। खुशी है कि जब दबाव था तब मैं टीम को उससे बाहर निकलने में सफल रही। मैं काफी संयमित होने का प्रयास कर रही थी। कप्तान हरमनप्रीत और मेली ने अच्छी बल्लेबाजी कर मुझ पर से दबाव हटा लिया। मुझे पता था कि अगर मैं अंत तक टिकी रही तो हम सफल हो जाएंगे। ट्रॉफी जीतना अहम होता है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरूआत सही नहीं रही। सलामी बल्लेबाज हेले मैथ्यूज 13, जबकि यास्तिका भाटिया केवल 4 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद ब्रंट ने कप्तान हरमनप्रीत के साथ पारी को आगे बढ़ाया। कप्तान हरमनप्रीत 39 गेंदों में 37 रन ही बना पायीं। इसके बाद ब्रंट ने मेली के साथ पारी को आगे बढ़ाया।

महिला प्रीमियर लीग विजेता मुम्बई की खिलाड़ियों पर हुई पैसों की बारिश

मुंबई।

पहली बार हुए महिला प्रीमियर लीग टी20 ि केट टूर्नामेंट (डब्लयूपीएल) की खिताब विजेता मुंबई इंडियंस पर पैसों की बारिश हुई है। मुम्बई ने खिताबी मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को हराया है। मुंबई इंडियंस की ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज को भी दो बड़े अवॉर्ड मिले हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के लिए उन्हें पर्पल कैप मिला। इसके साथ ही वह सत्र की सबसे कीमती खिलाड़ी भी बनी हैं। इस टूर्नामेंट में 16 विकेट लेने के साथ ही हेली ने 271 रन भी बनाए हैं जबकि वह नीलामी के पहले दौर में नहीं बिकीं थी। मुंबई ने दूसरे दौर में आधार मूल्य पर ही हेली को शामिल किया था। हेली को इनामी राशि के रूप में कुल 10 लाख रुपये की रकम मिली है।

मुंबई इंडियंस को खिताब जीतने पर 6 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स को केवल 3 करोड़ रुपये मिले। सबसे ज्यादा रन बनाने वाली ऑरेंज कैप विजेता दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग को भी लाख रुपये की राशि मिली है।

विजेता» मुंबई इंडियंस - 6 करोड़ रुपये
उपविजेता» दिल्ली कैपिटल्स- 3 करोड़ रुपये
मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर ऑफ द सीजन» हेली मैथ्यूज- 5 लाख रुपये
ऑरेंज कैप» मेग लैनिंग- 5 लाख रुपये
पर्पल कैप» हेली मैथ्यूज- 5 लाख रुपये
कैच ऑफ द सीजन अवॉर्ड» हरमनप्रीत कौर- 5 लाख रुपये
फेयरप्ले अवॉर्ड» मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स
इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन» यास्तिका भाटिया- 5 लाख रुपये
पावरफुल स्ट्राइकर ऑफ द सीजन» सोफी डिवाइन- 5 लाख रुपये
प्लेयर ऑफ द मैच (फाइनल)» नताली सीवर ब्रंट- 2.5 लाख रुपये
पावरफुल स्ट्राइकर ऑफ द मैच» राधा यादव- 1 लाख रुपये।

आईपीएल से पहले स्टोक्स की तूफानी बल्लेबाजी से गुजरात की धड़कन बढ़ी

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 16 वें सत्र में गुजरात टाइटंस पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से होगा। इस मुकाबले से पहले ही सीएसके के आ' ामक ऑलराउंडर बेन स्टोक्स की तूफानी बल्लेबाजी से गुजरात के कप्तान हार्दिक पंड्या की परेशानी बढ़ जाएगी। स्टोक्स अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से विरोधी टीम को क्षति पहुंचाने में सक्षम हैं। उद्घाटन मैच से पहले ही स्टोक्स का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें वह कुछ ही समय के अंदर दो छक्के लगाते दिखे हैं। ऐसे में गुजरात की टीम की परेशानी बढ़ना तय है। आईपीएल के पिछले सत्र में सीएसक के प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में वह इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। पिछले सत्र में धोनी ने एक दिन पहले कप्तानी छोड़ दी थी जिसके बाद टीम की कमान स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को मिली पर सत्र में लगातार हार के बाद बीच में ही धोनी को कप्तानी दी गयी थी पर तब तक हालात सीएसके टी के हाथों से फिसल गये थे।

कुर्सियों को पीले रंग में रंगते हुए दिखे धोनी

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने अलग ही अंदाज के लिए जाने जाते हैं। धोनी आजकल इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल के 16 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के साथ चेपॉक के एमए चिदंबरम स्टेडियम में अभ्यास कर रहे हैं। इस दौरान धोनी का एक अलग ही रुप देखकर प्रशंसक हैरान रह गये।

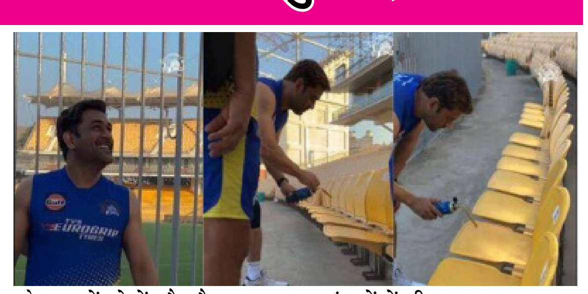

सीएसके ने अपना एक वीडियो साझा किया है। इसमें धोनी स्टेडियम के अंदर की कुर्सियों को पीले कलर में रंगते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि धोनी के हाथ में स्प्रे पेंट है और वह बड़ी लगन से कुर्सियों को रंगते हुए दिखाई दे रहे हैं। माही अपने इस नए काम को बालकनी में खड़े कुछ लोगों को दिखाते हुए भी नजर आ रहे हैं। इस दौरान वह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि यह काम कर रहा हूं।

कोरोनावायरस महामारी के कारण लगभग 3 साल बाद चेपॉक में कोई आईपीएल मैच खेला जाने वाला है। जिसको देखते हुए प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। इसमें पहला मैच गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच 31 मार्च को होगा। यह मुकाबला गुजरात में खेला जाएगा जबकि सीएसके अपनी घरलू धरती पर 3 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेगी। धोनी का आईपीएल में यह अंतिम सत्र भी हो सकता है। माना जा रहा है कि 40 के करीब पहुंच रहे धोनी इसके बाद संन्यास ले लेंगे।

चार्ल्स सबसे तेज शतक के मामले में विश्व के छठे और वेस्टइंडीज के पहले बल्लेबाज बने

सेंचुरियन।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी 20 मैच में आ' ामक बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंदों में ही शतक लगा दिया। चार्ल्स ने अपनी 118 रनों की पारी में 10 चौके और 11 लंबे छक्के लगाये। अपनी इस पारी के साथ ही वह वेस्टइंडीज की ओर सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। उनकी इस पारी से वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 258 रन बना लिए थे। इस प्रकार सबसे तेज शतक लगाने वाले वह छठे बल्लेबाज बन गये हैं। इस मामले में दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर नंबर एक स्थान पर हैं। मिलर ने 35 गेंदों में ही शतक लगाय था।

टी20 अंतराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज

1 डेविड मिलर (दक्षिण अफ्रीका) - बांग्लादेश के खिलाफ 35 गेंदों में लगाया शतक (2017)
2 रोहित शर्मा (भारत) - श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में लगाया शतक (2017)
3. एस वि' मशेखर (चेक रिपब्लिक) - तुर्की के खिलाफ 35 गेंदों में बनाया शतक(2019)
4. एस पेरियालवार (रोमानिया) - तुर्की के खिलाफ 39 गेंदों में बनाया शतक(2019)
5 जीशान कुकीखेल (हंग्री) - अस्ट्रिया के खिलाफ 39 गेंदों में लगाया शतक(2022)
6 जॉनसन चार्ल्स (वेस्टइंडीज) - दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 39 गेंदों में जड़ा शतक (2023)

बीसीसीआई अनुबंध में राहुल को झटका , जडेजा को लाभ

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सालाना अनुबंध में बोर्ड ने राहुल को ए ग्रेड से बाहर कर निचले बी ग्रेड में भेज दिया है। वहीं इस अनुबंध में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को लाभ हुआ है और ए से शीर्ष ए प्लस ग्रेड में रखा गया है। राहुल अक्टूबर 2021 से सितंबर 2022 तक ग्रेड ए में शामिल थे। वहीं बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के सालाना अनुबंध के लिए 4 अलग-अलग ग्रेड बनाये हुए हैं। इसमें ए प्लस ग्रेड वाले खिलाड़ियों को हर साल 7 करोड़, ए ग्रेड को 5 करोड़, बी ग्रेड को 3 करोड़ और सी ग्रेड वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये दिए जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत से पहले राहुल भारतीय टीम के उप कप्तान थे पर सीरीज के शुरुआती दो मैच में खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने उन्हें उपकप्तानी से हटा दिया था। इसके बाद उन्हें बचे हुए दो टेस्ट मैचों से भी बाहर कर दिया था। उन्हें गत सत्र में 5 करोड़ रुपये मिले थे पर अब उन्हें 3 करोड़ रुपये ही दिए जाएंगे। राहुल का पिछले कुछ समय में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पिछली 10 टेस्ट पारियों में वह एक बार भी 23 रनों से अधिक नहीं बना पाये। राहुल को खराब फॉर्म के कारण ही टी20 और एकदिवसीय के बाद टेस्ट टीम में भी उप कप्तानी से बाहर कर दिया गया था। अब भी अगर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं करते तो टीम में उनकी जगह खतरे में पड़ जाएगी।

वहीं बीसीसआई के सालाना अनुबंध में जडेजा को लाभ हुआ है। टीम में वापसी के बाद शानदार प्रदर्शन करने वाले जडेज को ए से ए प्लस ग्रेड में रखा गया है। इस शीर्ष ग्रेड में जडेजा के अलावा कप्तान रोहित शर्मा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह भी हैं। हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत और अक्षर पटेल को ए ग्रेड में शामिला किया गया है। वहीं ग्रेड बी में केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर और मोहम्मद सिराज हैं। बीसीआई ने ग्रेड सी में 11 खिलाड़ियों शिखर धवन, उमेश यादव, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, दीपक हुडा, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह और केएस भरत को रखा है।

महिला फीडे ग्रां प्री शतरंज - हरिका हम्पी नें खेला ड्रॉ

नई दिल्ली (निकलेश जैन) फीडे महिला ग्रां प्री सीरीज का तीसरा टूर्नामेंट शुरू हो गया है और पहले राउंड में भारत की शीर्ष ग्रांड मास्टर और खिताब की दावेदार कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच बाजी ड्रॉ रही है । पहले दिन खेले गए सभी मुक़ाबले अनिर्णीत रहे और रूस की पोलिना शुवालोवा ने हमवतन लागनों काटेरयना से ,चीन की जू जिनर ने रूस की आलेक्सान्द्रा गोरयाचकिना से और जॉर्जिया की निनो बतसियाश्वूली नें हमवतन नाना दगनिडजे से बाजी ड्रॉ खेली , हालांकि टूर्नामेंट कुछ विवादो के चलते अपने निर्धारित समय से एक दिन बाद शुरू हुआ ।

सबसे पहले कजाकिस्तान की शीर्ष खिलाड़ी और डिप्लोपेटिक पासपोर्ट धारी अब्दुमालिक ज़्हंसाया अचानक से यह कहते हुए टूर्नामेंट से हट गयी की उनके अनुसार उन्हे खेलने के लिए उचित माहौल नहीं मिला जबकि अंतिम समय में जर्मनी की एलीसाबेथ पाएहत्ज़ के हटने से भारत की आर वैशाली को वॉक ओवर मिला है । अब यह टूर्नामेंट 10 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर खेला जाएगा । फीडे ग्रां प्री का महत्व इसीलिए ज्यादा है क्यूंकी यह फीडे की विश्व शतरंज चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा है ।

विश्व चैम्पियनशिप के अनुभव का फायदा उठाकर ओलंपिक कोटा हासिल करना चाहती हैं निकहत

नई दिल्ली

निकहत जरीन ने दूसरी बार विश्व चैम्पियनशिप खिताब हासिल करने के बाद कहा कि रविवार को समाप्त हुई वैश्विक प्रतियोगिता में मिले अनुभव का फायदा उठाकर वह इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों से 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना चाहती हैं। एशियाई खेल महाद्वीप के मुक्केबाजों के लिये पेरिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है।

निकहत ने पिछले साल 52 किग्रा में विश्व खिताब जीता था, अब 50 किग्रा वजन वर्ग में वह दूसरी बार विश्व चैम्पियन बनीं जो ओलंपिक वर्ग है। निकहत ने कहा, 'यह टूर्नामेंट अच्छा अनुभव था। विशेषकर 50 किग्रा वर्ग में, जो ओलंपिक वर्ग है। मुझे वरीयता भी नहीं मिली थी जिससे मुझे छह मुकाबले लड़ने पड़े। लेकिन अंत में मैंने यहां स्वर्ण पदक जीता जिससे मैं बहुत खुश हूं।ज

इस 50 किग्रा वजन वर्ग में विश्व चैम्पियनशिप निकहत का दूसरा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था। उन्होंने पिछले साल इसी वजन वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। निकहत ने कहा, 'मेरे लिए इस वजन वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों के बाद यह बड़ा टूर्नामेंट है। राष्ट्रमंडल खेलों में इतनी प्रतिस्पर्धा नहीं होती।ज उन्होंने कहा, 'यहां पूरी दुनिया से देश आते हैं और मेरे लगातार मैच थे जिससे कुछ मैचों में मैं थोड़ी धीमी भी थी। मैं इन अनुभवों से सीख लूंगी और मजबूत बनने की कोशिश करूंगी।

निकहत छह बार की विश्व चैम्पियन एमसी मैरीकॉम के बाद दो विश्व खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय मुक्केबाज हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि मैंने लगातार स्वर्ण पदक जीते और इस जीत की लय को जारी रखकर खुश हूं। एशियाई खेल भी जल्द होने वाले हैं और लोगों की निश्चित रूप से उम्मीदें हैं लेकिन मैं इस दबाव को सकारात्मक तरीके से लूंगी। जो भी नतीजा होगा मेरे लिए अच्छा सबक रहेगा।ज

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत : लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय : कष्टकारी ही बीतता है। वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को। परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय : कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

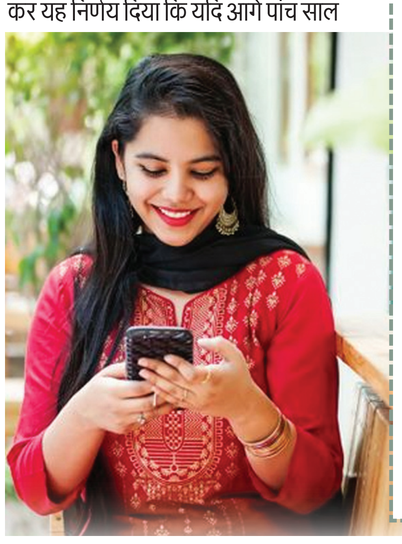

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबिक 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के ग्लेनवुड में स्थापित हुई पहले सिख सैनिक की प्रतिमा

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया में पहले सिख सैनिक की प्रतिमा स्थापित होने से दुनिया भर में पंजाबियों की शान और भी बढ़ गई है।सिख सैनिकों की शहादत को याद करने के लिए यह प्रतिमा सिडनी के ग्लेनवुड शहर में लगाई गई है। फतेह फाऊंडेशन के हरकीरत सिंह संधर, अमरिंदर सिंह बाजवा और दविंद्र सिंह धारी ने कहा कि यह प्रतिमा पहले और दूसरे विश्व युद्ध में और सारागढ़ी में सिख सैनिकों की शहादत की याद दिलाती रहेगी। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत करते हुए अमरिंदर सिंह बाजवा ने इस प्रतिमा के इतिहास पर प्रकाश डाला। ब्लैकटाऊन के मेयर टोनी ब्लिसडेल ने सिख सैनिक की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर बिगुल फूंककर सभी जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि दी गई और 1 मिनट का मौन रखा गया। संधर ने कहा कि पहली किताब लिखते समय उन्होंने पूरे ऑस्ट्रेलिया का भ्रमण किया और महसूस किया कि ऐसी कोई जगह नहीं है जो सिखों के अस्तित्व को दर्शाती हो।2018 का यह सपना आज साकार हो गया है।

नार्थ कोरिया ने 2 छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया

सियोल।नार्थ कोरिया ने आज (सोमवार) को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र में 2 छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया है। नार्थ कोरिया ने यह मिसाइल प्रक्षेपण ऐसे समय में किया जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए यूएसएस निमित्ज और उसके लड़ाकू समूह को पड़ोसी जलक्षेत्र ले जा रहे हैं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया

कि दोनों मिसाइलों को नार्थ कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के दक्षिण में एक पश्चिमी अंतर्देशीय क्षेत्र से सुबह करीब 7.47 मिनट से सुबह 8 बजे के बीच दागा गया। समुद्र में गिरने से पहले उसने करीब 370 किलोमीटर की दूरी तय की। नार्थ कोरिया के पास समान विशेषताओं वाली एक अन्य लघु-श्रेणी प्रणाली भी है जो यूएस एमजीएम 140 आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम जैसी है। प्रक्षेपण यूएसएस निमित्ज और उसके लड़ाकू समूह के बुसान के दक्षिण कोरियाई बंदरगाह पर पहुंचने से पहले हुआ है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि निमित्ज स्ट्राइक ग्रुप सोमवार को बुसान जाने से पहले दक्षिण कोरियाई रिसॉर्ट द्वीप जेजू के निकट अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में दक्षिण कोरियाई युद्धपोतों के साथ अभ्यास में हिस्सा लेगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया युद्ध के लिए पूर्वाभ्यास करार देता है, जबकि अमेरिका और दक्षिण कोरिया इन सैन्य अभ्यासों को रक्षात्मक उपायों को बढ़ाने की कवायद कहते हैं।

अमेरिका के टेनेसी में राजमार्ग पर कार हादसे में एक साल की बच्ची समेत 6 लड़कियों की मौत

प्लेसेंट व्यू। अमेरिका के टेनेसी राज्य में एक राजमार्ग पर एक कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक साल की बच्ची समेत छह लड़कियों की मौत हो गई तथा दो लोग घायल हैं इनमें एक गंभीर है।रॉबर्टसन काउंटी के आपात स्थिति प्रबंधन सेवा कार्यालय के प्रमुख ने बताया कि इसके कारण कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।एक विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि कर्मियों को कार के बाहर पड़ी एक साल की बच्ची समेत 6 लड़कियां मिलीं और इनकी उम्र 18 साल तक है।अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में एक व्यक्ति मामूली रूप से जख्मी हुआ है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त कार के पास दूसरी गाड़ी भी मिली है, जिसका चालक घायल नहीं हुआ है।हादसे में हताहत हुए लोगों की तत्काल पहचान नहीं की जा सकी।

कैलिफोर्निया के गुरुद्वारे में दो लोगों को गोली मारी!

कैलिफोर्निया।कैलिफोर्निया में स्थित एक गुरुद्वारे में दो लोगों को गोली मार दी गई है।अधिकारियों ने घटना का संबंध नफरती अपराध से इनकार किया है। सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ के प्रवक्ता सार्जेंट अमर गांधी के मुताबिक गोलीबारी गुरुद्वारा सैक्रामेंटो सिख सोसाइटी में दोपहर ढाई बजे हुई। यह घटना गुरुद्वारे में पहले नगर कीर्तन के दौरान हुई।सैक्रामेंटो बी अखबार की खबर के मुताबिक गांधी ने कहा कि गुरुद्वारे में दो व्यक्तियों के बीच लड़ाई होने लगी। उन्होंने कहा कि एक शख्स ने दूसरे व्यक्ति के मित्र को गोली मार दी। इसके बाद लड़ाई में शामिल दूसरे व्यक्ति ने अपने दोस्त को गोली मारने वाले शख्स को गोली मार दी और फरार हो गया। खबर के मुताबिक गांधी ने कहा कि गोलीबारी की घटना का संबंध नफरती अपराध से नहीं है और यह दो लोगों के बीच हुए झगड़े का नतीजा है जो एक-दूसरे को पहले से जानते थे। उन्होंने कहा कि पहले दोनों व्यक्तियों में हाथापाई हुई और फिर गोलीबारी।उन्होंने कहा कि एक संदिग्ध भारतीय पुरुष बताया जा रहा है।यह पूछे जाने पर कि क्या इस घटना से इलाके में किसी खतरे की आशंका है तो भारतीय मूल के पुलिस अधिकारी ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।घटना में जख्मी हुए दोनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वे खतरे से बाहर हैं।

एलन मस्क के घाटे का सौदा साबित हो रही ट्विटर की डील

-अब आधी रह गई ट्विटर की वैल्यू

न्यूयॉर्क ।दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की ओर से खरीदे गए ट्विटर की वैल्यू अब आधी रह गई है।मस्क की ओर से कर्मचारियों को भेजे एक अंदरुनी मेल में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि मस्क की ओर से ट्विटर की मौजूदा वैल्यूएशन 20 अरब डॉलर लगाई गई है, जो कि करीब पांच महीने पहले टिवटर के अधिग्रहण के लिए उनकी ओर से चुकाई गई कीमत 44 अरब डॉलर का आधे से भी कम है। जो कि अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म स्पैनचेट की वैल्यूएशन 18.2 अरब डॉलर और प्रिनटेरस्ट की वैल्यूएशन 18.7 अरब डॉलर के काफी करीब है।मस्क ने ट्विटर की वैल्यू में बड़ी कमी आने के कारण को भी बताया। उनकी ओर से मेल में कहा गया कि ट्विटर कठिन दौर से गुजर रहा है।कंपनी के सामने वित्तीय समस्याएं हैं।एक समय ऐसा आ गया था कि कंपनी दिवालिया होने वाली थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक साल में 1.5 अरब डॉलर की आय में कमी आई है और कर्ज का बोझ भी कंपनी पर बढ़ रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यूक्रेन को 15.6 अरब डॉलर का ऋण दिया

कीव ।अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इस सप्ताह की शुरुआत में युद्धग्रस्त यूक्रेन को 15.6 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है।यह पहली बार हुआ हैं कि जब वैश्विक ऋणदाता ने युद्ध में किसी देश को सहायता दी है।उधर, 1.1 अरब डॉलर की किश्त पाने के लिए पकिस्तान अभी भी आईएमएफ के सामने मिन्नतें कर रहा है।वैश्विक संस्था ने कहा था, यूक्रेन के अधिकारी और आईएमएफ के अधिकारी व्यापक आर्थिक और वित्तीय नीतियों के एक सेट पर स्टाफ लेवेल एग्रीमेंट पर पहुंच चुके हैं।इसके तहत, 48 महीने की विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) व्यवस्था द्वारा 15.6 अरब डॉलर का लोन दिया जाएगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्धग्रस्त पश्चिमी सहयोगी (यूक्रेन) के लिए 15.6 अरब डॉलर के वित्तपोषण के विस्तार की घोषणा आईएमएफ ने उसी दिन की, जब पाकिस्तान ने कुवैत को ईंधन खरीद भुगतान पर डिफाल्टर होने से बचने के लिए भुगतान करने का फैसला किया था।रिपोर्ट में कहा गया है कि वह कदम पाकिस्तान सरकार के लिए एक कठिन कदम रहा है,जो अन्य क्षेत्रों में समस्याएँ पैदा कर सकता है।आईएमएफ ने भी हाल कि दिनों में पाकिस्तान सरकार द्वारा उठाए गए आर्थिक कदमों पर सफाई मांगी है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ ने अब इस्लामाबाद को 1.1 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज देने से पहले पाकिस्तान से बाहरी वित्तीय सहायता मिलने का आश्वासन मांगा है।

जापान में सेल्फ डीफेंस फोर्स के खिलाफ विरोध व्यक्त करते हुए लोग।

यूक्रेन से लड़े रूस के कैदी, 5000 भाड़े के सैनिकों को मिला आजादी का इनाम

मॉस्को ।रूस और यूक्रेन के युद्ध में पुतिन को सैनिकों की जरूरत थी।रूस ने जेल में बंद कैदियों को भी युद्ध में उतार दिया। रूस के वैगनर ग्रुप में यह कैदी शामिल होकर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ रहे थे।इनमें से 5000 कैदियों ने अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा कर लिया है, जिसके बाद उन्हें माफी दे दी गई है। भाड़े के सैनिकों वाले वैगनर के संस्थापक येवगेनी प्रिगोझिन ने इसकी जानकारी दी। वैगनर ग्रुप मूल रूप से युद्ध लड़ चुके रूसी सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों की ओर से चलाया जाता है। रूसी सेना को यूक्रेन की ओर से कड़ी टक्कर मिली थी, जिसके बाद वैगनर ग्रुप ने एक बड़ी भूमिका निभाई है। प्रिगोझिन ने अचानक आगे आकर हजारों पुरुषों को जेलों से सेना में भर्ती कर लिया। इसके साथ ही यूक्रेन में कुछ सबसे खतरनाक लड़ाइयों में हिस्सा लेने के बदले आजादी का ऑफर दिया। पुतिन के खास प्रिगोझिन ने टेलीग्रम पर एक ऑडियो क्लिप शेयर करते हुए कहा ?कि वर्तमान समय में लगभग 5000 लोगों को कॉन्ट्रैक्ट पूरा करने पर माफी दे कर स्वतंत्र कर दिया गया है। वैगनर ग्रुप में अपराधियों के अलावा भी कई तरह के लोग शामिल हैं। प्रिगोझिन ने कहा कि जिन लोगों को माफ किया गया है उनका आंकड़ा 0.31 फीसदी है। प्रिगोझिन का एक विशाल खानपान का व्यवसाय है, जिसके कारण कभी-कभी मजाक में उन्हें पुतिन का बावर्ची भी कहा जाता है। प्रिगोझिन प्राइवेट आर्मी में पूर्व सैन्य अधिकारियों, पूर्व जासूसों और दोषियों को भर्ती करते हैं। अमेरिका ने प्रिगोझिन पर चुनावों में हस्तक्षेप और रूसी प्रोपोगेंडा को फैलाने के लिए प्रतिबंध लगा रखे हैं।

सनाउल्लाह का चौंकाने वाला बयान, अब पाकिस्तान में इमरान रहेंगे या फिर हम

- पीटीआई ने कहा,शाहबाज सरकार इमरान को मरवा सकती

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम इमरान खान सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा, देश की राजनीति को ऐसी जगह पहुंचा दिया है जहां या तब उनकी हत्या हो जाएगी या फिर हमारी। सनाउल्ला पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, इसके बाद उनकी तरफ से आया यह बयान उनके लिए विवाद पैदा करता जा रहा है। सनाउल्लाह, पूर्व पीएम नवाज शरीफ के करीबी हैं। उनके इस बयान के बाद इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में पूर्व पीएम के करीबी चिंतित हैं।

70 साल के इमरान खुद भी कह चुके हैं कि शाहबाज सरकार उनकी हत्या कराना चाहती है। इमरान ने हत्या की साजिश में शाहबाज सरकार की भूमिका के लिए एक एफआईआर के लिए आवेदन डाली हुई है। इसमें उन्होंने पीएम शरीफ के अलावा कुछ सीनियर आईएसआई ऑफिसर्स का नाम भी लिया है। सनाउल्लाह की ओर से यह टिप्पणी कुछ प्राइवेट चैनल्स को दिए इंटरव्यू में कही है। उन्होंने कहा, या इमरान खान या हम मारे जाएंगे। वह अब देश की राजनीति को उस मुकाम पर ले गए हैं जहां दोनों में से एक ही रह सकता है, पीटीआई या पीएमएलएन। पीएमएलएन का पूरा अस्तित्व खतरे में है और हम उसके साथ हिसाब बराबर करने के लिए उसके खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं।

उन्होंने कहा, इमरान ने राजनीति को दुश्मनी में बदल दिया है। खान अब हमारा दुश्मन है और उसके साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाएगा। यह पूछने पर कि क्या इस तरह की टिप्पणी से पाकिस्तान में अराजकता फैल सकती है, मंत्री ने कहा, पाकिस्तान में पहले से ही अराजकता कायम है। सनाउल्लाह के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त कर पीटीआई नेता और पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा, यह बात अब साबित हो गई है, कि पीएमएलएन गठबंधन सरकार से इमरान खान को जान का खतरा है। उन्होंने कहा कि सनाउल्लाह गिरोह चला रहे हैं या सरकार? सुप्रीम कोर्ट ने शरीफ के नेतृत्व वाले पीएमएलएन को इटैलियन माफिया घोषित करना सही था और उनका बयान इसका सबूत है। पीटीआई ने सुप्रीम कोर्ट से इस पर संज्ञान लेने की प्रार्थना की है। पार्टी का कहना है कि यह बयान खान की जान को खुला खतरा है। पार्टी की सीनियर लीडर शिरीन मजारी ने ट्वीट कर लिखा, अब क्या किसी को भी खान के लिए सनाउल्ला की जानलेवा मंशा पर कोई संदेह है। यह सीधे तौर पर बदमाशों के काफिले के गृह मंत्री की ओर से दी गई धमकी है। न्यायपालिका को ध्यान देना चाहिए।

फर्स्ट सिटीजन बैंक सिलिकॉन वैली को खरीदने की तैयारी में

– अमेरिका में 189 बैंकों पर दिवालिया होने का संकट

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इनदिनों बैंकिंग संकट गहराता जा रहा है। अमेरिकी बैंक ताश के पत्तों की तहत बिखर रहे हैं। अब तक तीन बैंकों की हालात खस्ताहाल हो चुकी है। जबकि 189 बैंकों पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिका की सिलिकॉन वैली बैंक, सिग्नेचर बैंक , फर्स्ट रिपब्लिक बैंक दिवालिया हो चुकी है। फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर इन बैंकों के संकट को और बढ़ाया है। अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालिया होने के बाद अब उस खरीदार मिल गया है। फर्स्ट सिटीजन बैंक सिलिकॉन वैली को खरीदने जा रहा है। 119 अरब डॉलर में ये डील हो रही है। इस डील में फर्स्ट सिटीजन बैंक एसवीबी के डिपॉजिट्स और लोन को भी खरीद रहा है।

इस डील के बाद सिलिकॉन वैली बैंक के ब्रांच फर्स्ट सिटीजन बैंक के नाम से खुलेगी। सिलिकॉन वैली बैंक के बिकने से खरीदारों ने राहत की सांस ली है। बैंक को अब आर्थिक संकट से निपटने में मदद मिलेगी। वित्तीय संकट से घिर इस बैंक को फर्स्ट सिटीजन बैंक ने फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से खरीद लिया है।

सिलिकॉन वैली बैंक का कुल ऐसेट्स 10 मार्च को 167 अरब डॉलर और कुल डिपॉजिट 119 अरब डॉलर था। बैंक के डूबने से फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन को 20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। सिलिकॉन वैली बैंक अमेरिका का 16वां सबसे बड़ा बैंक का। ये बैंक टेक कंपनियों और स्टार्टअप की फेवरेट बैंक है। बैंक के पास कई क्रिप्टोकरेंसी फर्म्स का डिपॉजिट था। साल 1983 में कैलिफोर्निया के सांता क्लैरा में इस बैंक की शुरुआत की गई थी। स्टार्टअप कंपनियों की पहली पसंद बंद हुए इस बैंक की हालात पिछले कुछ दिनों से खराब होती चली गई।

इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री को बर्खास्त किया

–इसके विरोध में लोग सड़कों पर उतरे

यरुशलम (एजेंसी)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने न्यायपालिका में आमूल-चूल बदलाव की उनकी योजना को चुनौती दे रहे रक्षा मंत्री योआव गैलेन्ट को बर्खास्त किया हैं। इसके विरोध में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। तेल अवीव में प्रदर्शनकारियों ने एक मुख्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और बड़े अलाव जलाए जबकि नेतन्याहू के निजी आवास के बाहर एकत्रित हुए प्रदर्शनकारियों से पुलिस की झड़प हुई। इस प्रदर्शन ने न्यायपालिका में बदलाव करने की नेतन्याहू की योजना को लेकर एक महीने से जारी संकट को और गहरा कर दिया है। गैलेन्ट को बर्खास्त करने से संकेत मिलता है कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी इस सप्ताह अपनी योजना पर आगे बढ़ने वाले हैं।

गैलेट सत्तारूढ़ लिकुड पार्टी के पहले वरिष्ठ सदस्य हैं, जिन्होंने योजना की खुलकर मुखालफत की है। नेतन्याहू की सरकार इस सप्ताह इसतरह के विधेयक पर संसद में मतदान कराने की योजना बना रही है जिससे सत्तारूढ़ गठबंधन को न्यायिक नियुक्तियों पर अंतिम मुहर लगाने की शक्ति मिलेगी। इसमें इसतरह के कानून पारित करने का भी प्रावधान है जिससे संसद को आम बहुमत के साथ सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को पलटने और कानूनों की न्यायिक समीक्षा सीमित करने का अधिकार मिल जाएगा। नेतन्याहू तथा उनके सहयोगियों का तर्क है कि इस योजना से न्यायिक तथा कार्यकारी शाखाओं के बीच संतुलन बहाल होगा। लेकिन आलोचकों का कहना है कि ये कानून इजराइल की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संतुलन बिगाड़ देगा और सत्तारूढ़ गठबंधन के हाथ में शक्तियां सौंप देगा। उनका कहना है कि ये कानून भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना कर रहे नेतन्याहू के लिए हितों का टकराव भी है। इस योजना के खिलाफ पिछले तीन महीने से हजारों लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं जो देश के 75 साल के इतिहास में सबसे बड़ा प्रदर्शन है।

खालिस्तान समर्थकों ने वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के बाहर हिंसा भड़काने की कोशिश की

वाशिंगटन (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थकों के एक समूह ने वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के सामने एकत्र होकर न केवल हिंसा भड़काने की कोशिश की, बल्कि उन्होंने देश के राजदूत तक को धमकी दी। लेकिन अमेरिकी सीक्रेट सर्विस' और स्थानीय पुलिस के समय पर हस्तक्षेप करने से लंदन और सैन फ्रांसिस्को के मिशन पर हुई घटनाओं को फिर होने से रोक दिया गया। भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर रहे खालिस्तान समर्थकों ने एक पत्रकार पर भी हमला किया और उन्हें धमकाया।

वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के पास अलगाववादी सिख एकत्र हुए और उन्होंने अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के खिलाफ अपशब्द कहे और उन्हें सार्वजनिक रूप से धमकी दी। प्रदर्शन के समय संधू दूतावास में नहीं थे। प्रदर्शन स्थल पर कुछ प्रदर्शनकारी अन्य प्रदर्शनकारियों को हिंसा में शामिल होने और इमारत की खिड़कियां एवं शीशे तोड़ने के लिए भड़काते हुए दिखाई दिए।

हालात नियंत्रण से बाहर होने की आशंका के मद्देनजर सीक्रेट सर्विस और स्थानीय पुलिस ने अतिरिक्त बलों को तुरंत तैनात किया और कम से कम तीन पुलिस वैन दूतावास के सामने खड़ी की गईं। एक समय, पांच प्रदर्शनकारियों ने तेजी से

सड़क पार की और वे दूतावास के पास उस खंभे तक पहुंच गए, जिस पर तिरंगा था, लेकिन सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने तुरंत वहां पहुंचकर उनसे प्रदर्शन के लिए तय क्षेत्र में जाने को कहा।

इस घटना को लेकर भारतीय मिशन ने कड़ी प्रतिक्रिया जताकर कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां इन अलगाववादियों की हिंसक एवं असामाजिक प्रवृत्तियों को रेखांकित करती हैं। अमेरिका में पत्रकार खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनों को कवर कर रहे थे, उसी समय यह घटना हुई, लेकिन 'अमेरिका सीक्रेट सर्विस' और स्थानीय पुलिस ने समय पर हस्तक्षेप कर कोई अप्रिय घटना होने से रोक लिया।

ललित के झा ने ट्वीट किया, ''आज मेरी सुरक्षा करने और मुझे मेरा काम करने में मदद करने के लिए सीक्रेट सर्विस का धन्यवाद। अगर ऐसा नहीं होता, तब आज मैं शायद अस्पताल से यह लिख रहा होता। भारतीय दूतावास ने कहा, ''हमने आज वाशिंगटन डीसी में तथाकथित 'खालिस्तान प्रदर्शन' को कवर करने के दौरान प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ भारतीय पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार किए जाने, उन्हें धमकाए जाने और उन पर हमले किए जाने के व्यथित करने वाले वीडियो दिखाई दिए।

चीन ने डाल दी भारत और रूस की दोस्ती में दरार, रुकवाई एस-400 की डिलीवरी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पास मौजूद सबसे खतरनाक हथियारों में से एक एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर बड़ी खबर आई है। ऐसा लग रहा है कि भारत और रूस के बीच दरार डालने में चीन काफी आगे तक निकल गया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की दोस्ती की चर्चा दुनियाभर की हेडलाइन बनी हुई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अचानक से शांति का प्रस्ताव लिए रूस पहुंच गए। चीन और रूस ने अमेरिका के खिलाफ नया गठबंधन बनाने का ऐलान किया है। रूस ने भी चीन के साथ संबंधों को नए मुकाम पर पहुंचाने का ऐलान किया है। लेकिन इस पूरी घटना में भारत को भी बड़ा नुकसान हुआ है।

एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी नहीं होगी समय से पूरी

वैसे तो रूस और चीन पहले से ही पक्के दोस्त हैं, लेकिन इस बार इन दोनों बड़े नेताओं की मुलाकात ने भारत को भी परेशान कर दिया है। पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात के बाद अचानक खबर आई है कि भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के पांचों स्काडर्न की डिलीवरी समय पर पूरी नहीं हो पाएगी। रूस ने अब भारत को लिखित में बताया है कि वो 2024 तक सभी सिस्टम नहीं दे पाएगा। अभी तक भारत को एस-400 के तीन स्कावर्डन मिल चुके हैं।

भारतीय सेना ने क्या कहा?

महीनों से रूस द्वारा दिए गए कई आश्वासनों के बावजूद भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने अब एक बयान में कहा है कि मॉस्को यूक्रेन युद्ध के कारण भारत की सेना को आवश्यक रक्षा आपूर्ति प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा नहीं कर सकता है। नई दिल्ली को चिंता है कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से भारत को सैन्य आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। आईएएफ का यह बयान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के उस बयान के कुछ महीनों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका देश युद्ध प्रणाली का निर्यात करना जारी रखेगा और एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में सहयोगियों को सैन्य आपूर्ति प्रदान करेगा। रिपोर्ट में इस डिलीवरी की बारीकियों का जिक्र नहीं है। भारत ने 2018 में 5.4 बिलियन डॉलर में खरीदी गई स-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली की डिलीवरी भी शामिल है। मास्को में आर्मी एक्सपो में बोलते हुए रूस के रोसोबोरोनेक्सपोर्ट के सीईओ, अलेक्जेंडर मिखेयेव ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि वे 2023 के अंत तक भारत को सभी पांच एस-400 रेजिमेंट वितरित कर देंगे।

देश में पांच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय बनाएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि उसने वेदों की शिक्षा के लिए देश में पांच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय स्थापित करने को मंजूरी दी है। लोकसभा में सी पी जोशी के प्रश्न के लिखित उत्तर में शिक्षा राज्य मंत्री डा. सुभाष सरकार ने इसकी जानकारी दी। जोशी ने पूछा था कि क्या सरकार का विचार वेदों की शिक्षा के लिए आदर्श वेद विद्यालय स्थापित करने का है। इस पर, शिक्षा राज्य मंत्री सरकार ने कहा, '' जी, हां। सरकार ने उज्जैन स्थित महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या परिसर में संचालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की तर्ज पर देश में पांच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय स्थापित करने को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि इन पांच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों को पुरी (ओडिशा), द्वारका (गुजरात), श्रृंगेरी (कर्नाटक), बद्रीनाथ (उत्तराखंड) और गुवाहाटी (असम) में स्थापित करने को मंजूरी दी गई है।

सलमान को धमकी देने वाले शख्स को 3 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में

मुंबई । अभिनेता सलमान खान को धमकी देने वाले को मुंबई और जोधपुर पुलिस ने संयुक्त अभियान के द्वारा गिरफ्तार किया। आरोपी को मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेशकर सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। आरोपी की पहचान 21 वर्षीय धाकड़ राम के रूप में हुई है। शख्स को पिछले सप्ताह सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला एक ईमेल भेजने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया था। जांच में बांद्रा पुलिस स्टेशन ने 18 मार्च को एफआईआर दर्ज की और टेक-इंटेल के साथ राजस्थान से आने वाले ईमेल का पता लगाया। उन्होंने जोधपुर पुलिस के साथ सूचना साझा की, जिन्होंने धाकड़ राम का पता लगाकर उस पकड़ने के लिए एक संयुक्त अभियान के तहत उसके ठिकाने पर छापा मारा। बांद्रा पुलिस टीम ने बताया कि गिरफ्तार धाकड़ राम हिस्ट्रीशीटर है और राजस्थान और पंजाब पुलिस को अलग-अलग मामलों में वांछित है और उस राज्य में उसके खिलाफ कुछ मामले दर्ज हैं। इसमें राजस्थान के सरदारपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामला और मारे गए सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता को धमकी देने का मामला शामिल है, जो पंजाब के मनसा पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि एक हफ्ते पहले बांद्रा पुलिस ने अभिनेता के सहयोगी प्रशांत गुंजालकर को भेजे गए धमकी भरे ईमेल के लिए माफियाओ लॉरेंस बिश्नोई, उनके सहयोगियों गोल्डी बराड़ और रोहित के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसमें माफिया डॉन लॉरेंस बिश्नोई के उस इंटरव्यू का हवाला दिया गया था जिसमें उसने दावा किया था कि उसके जीवन का मकसद सलमान खान को मारना है। रोहित गर्ग के नाम से हिंदी में ईमेल आया, जो एक्टर के साथ बात करना चाहता था और पुलिस ने गुंजालकर द्वारा दर्ज की गई शिकायत के बाद उसे भी बुक कर लिया।

हाथरस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की याचिका खारिज की।

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने हाथरस मामले में पीड़िता के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने और परिवार को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने पर विचार करने के उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ यूपी सरकार की याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) गरिमा प्रसाद से कहा, राज्य को इसतरह के मामलों में नहीं आना चाहिए। प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार परिवार को स्थानांतरित करने के लिए तैयार है, लेकिन वे नोएडा या दिल्ली में नौकरी चाहते हैं। उन्होंने कहा कि क्या पीड़िता के बड़े विवाहित भाई को आश्रित माना जा सकता है, यह कानून का प्रश्न है जिस पर विचार किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार की याचिका पर विचार करने से इनकार कर कहा, ये परिवार को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं हैं। हमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। राज्य को इन मामलों में नहीं आना चाहिए। आदेश सुनने के बाद एएजी ने सुप्रीम कोर्ट से कानून के सवाल को खुला रखने का आग्रह किया, पीठ ने कहा कि आदेश में निर्दिष्ट किया गया है कि यह मामले के विशेष तथ्यों और परिस्थितियों में पारित किया गया है। पिछले साल जुलाई में, उच्च न्यायालय ने हाथरस मामले से जुड़े एक मामले में निर्देश पारित किया था, जहां सितंबर 2020 में हाथरस में 19 वर्षीय एक दलित महिला के साथ बलात्कार और हत्या का आरोप लगाया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य के अधिकारियों को उस वादे का पालन करना चाहिए, जो सितंबर 2020 में परिवार से किया गया था, एक सदस्य को रोजगार देने के लिए और अधिकारियों को हाथरस के बाहर लेकिन उत्तर प्रदेश के भीतर परिवार के स्थानांतरण पर विचार करने का भी निर्देश दिया।

लालू को मिली जमानत को रद्द करने सुप्रीम कोर्ट पहुंची सीबीआई

नई दिल्ली । आरजेडी प्रमुख और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। चारा घोटाला मामले में लालू को मिली जमानत के खिलाफ सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर की थी। सीबीआई का कहना था कि लालू को मिली जमानत को रद्द किया जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने अलग से लालू को कोई नोटिस जारी करने से इनकार किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस याचिका को पहले फाइल की गई इसी तरह की याचिका के साथ शामिल किया जा रहा है। कोर्ट ने मूल याचिका के साथ सीबीआई कि याचिका शामिल की है। बता दें कि झारखंड हाई कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को जमानत दी थी। बता दें कि लालू यादव लंबे समय तक जेल में रहे। इस समय उनकी तबीयत भी ठीक नहीं रहती है। हाल ही में उन्होंने किडनी ट्रांसप्लांट करवाया था। लालू परिवार इस समय एक अलग मुसीबत में फंसा हुआ है। लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में सीबीआई ने लालू परिवार से पूछताछ की। इसमें राबड़ी देवी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती भी शामिल हैं। लालू पर ईडी ने 600 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था। साथ ही छापेमारी में उनके घर से एक करोड़ रुपये बरामद हुए थे। आरोप है कि लालू प्रसाद यादव जब रेल मंत्री थे तब उन्होंने घोटाला किया था और लोगों को नौकरी दिलवाने के बदले संपत्ति ली थी। आरोप है कि 2004-09 के दौरान उन्होंने ग्रुप डी में गलत तरीके से लोगों को भर्ती करवाया था।

22 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 41 मिनट पर खुलेंगे यमुनोत्री के कपाट

उत्तरकाशी । यमुना जयंती के पावन पर्व पर चारधाम के पहले प्रमुख तीर्थ धाम यमुनोत्री के कपाट 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पर्व पर दोपहर 12 बजकर 41 मिनट पर कर्क लग्न अभिजित मुहूर्त पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। मां यमुना के मायके खरशाली गांव में स्थित शीतकालीन यमुना मंदिर परिसर में पुरोहित समाज की बैठक में यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने का विधिवत रुप से शुभ मुहूर्त निकाला गया। सोमवार को यमुना जयंती चैत्र नवरात्रि के शुभ मौके पर मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खुशीमठ (खरसाली) में मंदिर समिति यमनोत्री द्वारा मां यमुना की पूजा अर्चना के पश्चात विधि विधान पंचाग गणना के पश्चात विद्वान आचार्यों-तीर्थपुरोहितों द्वारा श्री यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने की तिथि तथा समय तय किया गया। मंदिर समिति के पूर्व सचिव कीर्तेश्वर उनियाल ने बताया कि इस मौके पर मां यमुना की उत्सव डोली के धाम प्रस्थान का भी कार्यक्रम तय हुआ। शनिवार 22 अप्रैल को मां यमुना की उत्सव डोली, मां यमुना जी के भाई श्री सोमेश्वर देवता के साथ समारोह पूर्वक सेना के बैंड के साथ खुशीमठ से प्रातः 8 बजकर 25 मिनट पर प्रस्थान यमुनोत्री मंदिर परिसर में पहुंचेगी। अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को दिन में 12 बजकर 41 मिनट पर श्री यमुनोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले दिए जाएंगें। वहीं श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल प्रातः 7 बजकर 10 मिनट तथा श्री केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल प्रातः 6 बजकर 20 मिनट पर तथा श्री गंगोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया 22 अप्रैल दिन में 12 बजकर 35 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुलने वाले हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चारधाम यात्रा तैयारियों को पूरा करने हेतु 15 अप्रैल तक पूरा करने के निर्देश दे चुके हैं। पर्यटन- धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा हेतु श्रद्धालुओं में उत्साह है। अभी तक चारों धामों हेतु पंजीकरण की संख्या 6 लाख चौंतीस हजार से अधिक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्गों सहित विद्युत, पेयजल, संचार, चिकित्सा, आवास सुविधाओं को समयबद्ध ढ़ग से व्यवस्थित किया जा रहा है। प्रशासन रूद्रप्रयाग द्वारा केदारनाथ में पैदल मार्ग से बर्फ हटाने का कार्य अंतिम चरण में है। यात्रा प्रशासन संगठन के वैयक्तिक सहायक अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शासन के दिशा-निर्देश पर ऋषिकेश में चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में आवश्यक यात्री सुविधाएं जुटाई जा रही है।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे बोले- वैश्विक सुरक्षा प्रदाता के रूप में अमेरिका की जगह लेना चाहता है चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने सोमवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को तोड़ने के लिए 12 सूत्री शांति योजना के साथ चीन संयुक्त राज्य अमेरिका को वैश्विक शुद्ध सुरक्षा प्रदाता के रूप में बदलना चाहता है। पुणे में दो दिवसीय रणनीतिक वार्ता के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देते हुए जनरल मनोज पांडे ने कहा कि सऊदी अरब और ईरान के बीच शांति वार्ता की मध्यस्थता और यूक्रेन और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए चीनी 12 सूत्रीय शांति योजना को सामने रखना। चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष ने भू-राजनीतिक सुरक्षा गणित में गहराई से उभरने वाले कई पहलुओं के साथ परिदृश्य में अशांति को जोड़ा है। रूस अमेरिका को वैश्विक शुद्ध सुरक्षा प्रदाता के रूप में बदलने के लिए चीनी तात्कालिकता के प्रति चिंतनशील है।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि अभिव्यक्तियों का निश्चित रूप से हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है। इसी पृष्ठभूमि के बीच चीन का उदय जारी है। यह अपनी क्षेत्रीय और वैश्विक आकांक्षाओं से प्रेरित है। एक राजनीतिक, तकनीकी और सैन्य शक्ति के रूप में चीन के उदय ने इसे विश्व व्यवस्था में एक नई श्रेणीबद्ध स्थिति प्रदान की है जिसका वह नेतृत्व करना चाहता है। हम रणनीतिक पड़ोस को अनिश्चितता के आर्क के रूप में देख सकते हैं। क्षेत्रीय और साथ ही समुद्री दोनों तरह के अनसुलझे सीमा विवाद, अवैध सीमा पार प्रवासन, अवैध और अनियमित मछली पकड़ने जैसे गैर-पारंपरिक खतरे और जलवायु परिवर्तन से प्रेरित आपदा के लिए क्षेत्रीय भेद्यता के साथ बढ़ते धार्मिक कट्टरवाद दक्षिण एशिया क्षेत्र को खतरे में रखने जा रहे हैं।

आप टैक्स के पैसा का इस्तेमाल एक धर्म के प्रचार के लिए नहीं कर सकते : ओवैसी

लखनऊ । उत्तरप्रदेश की योगी सरकार 22 मार्च से शुरू होने वाली चैत्र नवरात्रि के दौरान दुर्गा सप्तशती पाठ, जागरण और भजन करने और 30 मार्च को रामनवमी के साथ समाप्त होने के लिए यूपी के प्रत्येक जिले को 1 लाख रुपये जारी करने की घोषणा कर चुकी है। इस लेकर सियासत भी शुरू हो गई है।

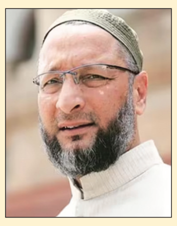

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हर जनपद को रामनवमी मनाने के लिए एक लाख रुपए देने के फैसले पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भारत का संविधान कहता है, कि आप टैक्स के रुपयों को किसी विशेष धर्म का प्रचार करने के लिए नहीं कर सकते। आपने पिछले 5 साल से मदरसों के अध्यापकों को पैसे नहीं दिए हैं। यह भाजपा का दोहरा मापदंड है। बता दें कि योगी सरकार के अधिकारी ने जिलाधिकारियों को जारी एक निर्देश में कहा है कि धन का उपयोग उन कलाकारों को काम पर रखने में किया जाएगा जो नवरात्रि अवधि के दौरान सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान प्रदर्शन करने वाले हैं।

'कांग्रेस ने रही काले जादू का सहारा', पीयूष गोयल का सवाल, क्या वे लोकतंत्र के मंदिर को अपमानित करना चाहते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर सियासी तापमान चढ़ा हुआ है। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द किए जाने के बाद कांग्रेस भाजपा और मोदी सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। इसको लेकर भाजपा की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। आज एक बार फिर से भाजपा ने पलटवार करते हुए साफ तौर पर सवाल किया कि क्या कांग्रेस कानून का अनादर करना चाहती है? भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस सदन नहीं चलने दे रही है और बयानबाजी कर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि आज वो सदन में काले कपड़े पहनकर आए थे तो वो कब तक ऐसी छोटी राजनीति करते रहेंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि वो इससे क्या लोकतंत्र के मंदिर को अपमानित करना चाहते हैं?

पीयूष गोयल ने सवाल किया कि देश के कानून-व्यवस्था को अपमानित करना चाहते हैं या क्या वो राहुल गांधी द्वारा हक्क्ष्ट के लिए जो अपशब्द कहे गए हैं उसे उचित सिद्ध करना चाहते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए थी। कल कांग्रेस के एक नेता ने बयान दिया कि उनकी पार्टी के नेता कह रहे थे कि राहुल गांधी जी माफी मांग लीजिए, विषय समाप्त कीजिए... लेकिन उनका अभिमान था, उनका घमंड था... उन्होंने माफी नहीं मांगी।

भाजपा नेता ने कहा कि ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, ये कभी कानून के साथ समझौता नहीं होने देगी। हम कानून को सर्वोपरि मानते हैं और भारत का जो संविधान है वह सबके लिए समान है। भारत के हर नागरिक को संविधान और कानून के तहत अपना काम करना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस की मंशा ओबीसी समुदाय का अपमान करने की है, उनकी मानसिकता ओबीसी समुदाय के खिलाफ है। राहुल गांधी को खुद को देश के कानून से ऊपर समझने का कोई हक नहीं। हम काले कपड़े कहाँ देखते हैं? कांग्रेस का इतना मनोबल गिरा है कि अब लेना पड़ रहा है काले जादू का सहारा।

राहुल गांधी नहीं बल्कि राहुल गंदगी, देश में अराजकता की गंदगी फैला रहे : पूनम महाजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर वार पलटवार की राजनीति जारी है। मानहानि मामले में राहुल गांधी को 2 साल की सजा सुनने के बाद उनके लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। इसके बाद कांग्रेस सहित विपक्षी दल भाजपा पर केंद्र हमलावर है। भाजपा दावा कर रही है कि राहुल गांधी ने ओबीसी का अपमान किया है।

भाजपा राहुल गांधी पर वीर सावरकर का अपमान करने का आरोप लगा रही है। इस बीच भाजपा सांसद पूनम महाजन का एक बयान सामने आया है। पूनम ने कहा कि सावरकर के बारे में राहुल गांधी ने कहा था कि वह सावरकर नहीं है। मैं इसके लिए राहुल गांधी को धन्यवाद देना चाहती हूं। पूनम ने कहा, कि वह सावरकर हो भी नहीं सकते। साथ ही उन्होंने कह दिया कि वह गांधी भी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि सावरकर हो या कोई और हो, जिन लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम में लड़ा है, उनका हम सम्मान करते हैं।साथ भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी अराजकता की गंदगी फैला रहे हैं। वह राहुल गांधी नहीं बल्कि राहुल गंदगी है और इस देश को गंदगी की ओर ले जा रहे हैं।

इसके पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा था कि राहुल गांधी को 7 जन्म लेना पड़ेगा तब वीर सावरकर को जान पाएंगे। उन्होंने कहा कि सावरकर ने अपनी पूरी जिंदगी सेलुलर जेल में काटी, क्या वे कभी सेलुलर जेल गए हैं? राहुल गांधी एक बार सेलुलर जेल जा के देखें तब उन्हें पता चलेगा कि सावरकर क्या है? केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी सावरकर कभी नहीं हो सकते। सावरकर जी कभी 6 महीने विदेश घुमने नहीं जाते थे। हर सत्र के बाद उन्हें छुट्टी नहीं चाहिए होती थी, वे आज़ादी के लिए समर्पित थे।

ईडी मामले में के कविता को नहीं मिली राहत, महिलाओं को समन जारी करने पर तीन हफ्ते बाद सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता को दिल्ली आबकारी नीति मामले में जांच में शामिल होने से राहत देने से इनकार कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 50 के तहत 'एक महिला को पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय में बुलाया जा सकता है' के मुद्दे पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई। यह मुद्दा कविता द्वारा दायर याचिका में उठाया गया था, जिन्होंने दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में पूछताछ में शामिल होने के लिए उन्हें जारी किए गए समन को चुनौती दी थी।

याचिका में तर्क दिया गया है कि एक महिला को ईडी कार्यालय में पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जा सकता है और सीआरपीसी के अनुसार अधिकारियों द्वारा उसके आवास पर पूछताछ की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ के समक्ष पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि एक महिला को ईडी के समन के मुद्दे पर इस अदालत के समक्ष दो समान मामले एक नलिनी चिदंबरम द्वारा और दूसरा अभिषेक बनर्जी द्वारा पहले से ही लंबित हैं।

पीएमएलए की व्याख्या पर विजय मदनलाल के फैसले का हवाला देते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने तर्क दिया कि पीएमएलए कार्यवाही की धारा 50 एक पीएमएलए प्रक्रिया के तहत शासित होती है, सीआरपीसी नहीं। एएसजी ने तर्क दिया कि गिरफ्तारी तक, सीआरपीसी प्रक्रिया लागू नहीं होती है।

'नेहरू जी के कारण देश का हुआ अपमान, एक कायर की तरह चीन को दी 1000 वर्ग किमी जमीन', गिरिराज सिंह का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जबरदस्त सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है। सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने है। अलग-अलग मुद्दों को लेकर दोनों के बीच वार-पलटवार का दौर लगातार जारी है। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पर हमला करते हुए बड़ा आरोप लगा दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि नेहरू जी के कारण देश का अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि एक कायर की तरह नेहरू जी ने चीन को 1000 वर्ग किलोमीटर की जमीन दे दी। आपको बता दें कि चीन को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र के मोदी सरकार पर हमलावर रहते हैं। इसी कड़ी में गिरिराज सिंह का यह बयान सामने आया है।

अपने बयान में गिरिराज सिंह ने कहा कि नेहरूजी के कारण देश का अपमान हुआ, एक कायर की तरह नेहरूजी ने चीन को 1000 वर्ग किमी जमीन दी। उन्होंने कहा कि तिब्बत हमारा बफर स्टेट हो सकता था लेकिन उसने संयुक्त राष्ट्र में तिब्बत पर चीन की पैरवी की। कांग्रेस पार्टी सोचती है कि लोकतंत्र 'राजतंत्र' है। वहीं, मानहानि मामले में दोषी पाए जाने के बाद सूरत की एक अदालत ने राहुल गांधी को 2 साल की सजा सुनाई। इसके बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द कर देंगे। अब इस को लेकर कांग्रेस केंद्र के मोदी सरकार और प्रधानमंत्री पर हमलावर है।

कांग्रेस का साफ तौर पर कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी से डर गए हैं। राहुल गांधी लगातार अडानी को लेकर सवाल पूछ रहे थे। राहुल गांधी की आवाज को दबाने के लिए जानबूझकर उनके लोकसभा सदस्यता रद्द कराई गई है। इससे पहले प्रियंका ने अपने संबोधन में कहा था कि इस देश के प्रधानमंत्री कायर हैं। मुझे जेल में डाल दो लेकिन सच तो यह है कि इस देश के प्रधानमंत्री कायर हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी सत्ता के पीछे छुपे हैं और (वह) अहंकारी हैं। लेकिन देश की परंपरा रही है कि अहंकारी राजा को प्रजा जवाब देती है। यह देश अहंकारी राजा को पहचानता है।

योगी सरकार पर नाराज प्रियंका गांधी वाड्रा, सारस के रक्षक आरिफ को भेज दिया नोटिस

अमेठी (एजेंसी)। अमेठी के आरिफ और सारस की दोस्ती को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपी योगी सरकार पर हमला बोलकर कहा है कि प्रेम, संवेदना के प्रति ये अन्याय कतई सही नहीं है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, रक्षकों का सम्मान करना हमारे देश की परंपरा है। प्रेम की मिसाल कायम करने वालों को इस देश में सराहा जाता है। लेकिन, यूपी सरकार को क्या सूझा जो सारस की जान बचाने वाले, उस दोस्त की तरह रखने वाले रक्षक को नोटिस भेज दिया है। इसके पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इस जय-वीरू की दोस्ती भी करार दिया था।

दरअसल आरिफ को करीब एक साल पहले एक घायल सारस मिला था। उन्होंने उसका इलाज कर फिर अपने परिवार के सदस्य की तरह पाला। नतीजन, सारस को भी आरिफ से दोस्ती हो गई और वह वहीं रहने लगा। जानकारी हासिल होने पर एक दिन समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी दोनों से मिलने पहुंच गये। उनकी प्रगाढ़ता देख अखिलेश ने इस सोशल मीडिया पर शेयर भी किया।

इसके बाद अचानक वन विभाग की टीम आई और सारस को पकड़कर ले गई। वन विभाग ने सारस को समसपुर पक्षी विहार में छोड़ दिया है। इसके बाद सारस पक्षी विहार से 6 किमी दूर बिसैया गांव पहुंच गया। वहां कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया लेकिन गांववालों ने सारस को बचा लिया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम फिर से सारस को पकड़कर ले गई और सारस की निगरानी और बढ़ा दी है। आरिफ का दावा है कि अगर सारस को छोड़ दिया जाए तब वह वापस उसके पास ही आएगा। फिलहाल, दोनों की दोस्ती के आड़े कानून आ रहा है। वन विभाग के अधिकारी के अनुसार किसी भी संरक्षित पक्षी या जानवर को रखना गैरकानूनी है। इतना ही नहीं सारस को खिलाना-पिलाना भी गैरकानूनी है। कोई किसी पक्षी को बचा सकता है लेकिन उसके बाद आपको उस कानूनी तौर पर वन विभाग को सुपुर्द करना चाहिए।

हंगामे के बीच जम्मू-कश्मीर के वित्त वर्ष 2023-24 के लिए बजट के साथ वित्त विधायक पारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर सड़क से संसद तक सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है। राहुल को मानहानि मामले में मिली 2 साल की सजा के बाद लोकसभा से अयोग घोषित किया गया है। इस लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल जबरदस्त तरीके से मोदी सरकार पर हमलावर है। बजट सत्र के दूसरे चरण का आज दसवां दिन था। लेकिन आज भी राज्यसभा में स्थिति सामान्य नहीं दिखी। हंगामा और नारेबाजी के बीच ही जम्मू-कश्मीर के वित्त वर्ष 2023-24 के लिए बजट के साथ फाइनेंस विधायक को भी पारित कर दिया गया। इसे लोकसभा भी वापस भेज दिया गया है।

हंगामे के दौरान ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में वित्त विधेयक 2023 को पेश किया था। विधेयक पर किसी भी प्रकार की चर्चा नहीं हुई। जम्मू कश्मीर विनियोग विधेयक पर विपक्षी नेताओं के नारेबाजी के बीच वोटिंग भी कराई गई। उच्च सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे शुरू हुई तब सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सुबह जो आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर नहीं रखे जा सके थे, उन्हें रखा गया मान लिया जाए। इसी बीच कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के कई सदस्य अडाणी समूह से जुड़े आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित किए जाने की मांग को लेकर हंगामा करने लगे।

सदन ने चर्चा के बिना जम्मू-कश्मीर के सामान्य बजट, अनुदान की अनुपूरक मांगें और उससे संबंधित विनियोग विधेयक को ध्वनिमत से लोकसभा को लौटा दिया। इसके बाद सभापति की अनुमति से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से वित्त विधेयक 2023 को सदन में पेश किया। इस दौरान सदन में विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी था। हंगामे के बीच ही वित्त विधेयक 2023 को बिना चर्चा के, ध्वनिमत से लोकसभा को लौटा दिया गया। वित्त विधेयक को लोकसभा को लौटाए जाने के साथ ही सदन में वित्त वर्ष 2023-24 के बजट की प्रक्रिया पूरी हो गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

आम आदमी पार्टी के सभी नगरसेवकों को मेयर ने किया निलंबित

आप पार्षद बोले- बीजेपी से डरती हैं मेयर, करती हैं गुलामों जैसा व्यवहार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नगर पालिका की आम बैठक में आज आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी भिड़ गई। आम आदमी पार्टी के पार्षद ने जैसे ही मेयर के हवाले से बयान दिया मेयर और पार्षदों के बीच धक्कामुक्की हो गई. आम आदमी पार्टी के पार्षद सवाल पूछ रहे थे तो आम सभा में प्रश्नकाल के दौरान सत्ता बाकी हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बुलाया गया और कहा गया कि आप आमसभा के अध्यक्ष हैं। आप चाहें तो उत्तर दे सकते हैं और यह आप पर निर्भर है कि प्रश्न पूछे जाने की अनुमति दी जाए या नहीं।
मेयर ने हमें सवाल ही नहीं करने दिया: नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आम आदमी पार्टी की आम सभा में लगातार अनदेखी की जा रही है. आज हैं. हालांकि, हमें लगता है कि प्रचार गलत तरीके से किया गया था।
सभी नगरसेवक निलंबित कांग्रेस आम आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष धर्मेश भंडारी ने कहा कि ऐसा लगता है कि मेयर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के इशारे पर काम कर रहे हैं. प्रश्नकाल के दौरान भी वह हमारे सवालों का ठीक से जवाब नहीं दे रहे थे। इतना ही

पक्ष ने महापौर को बुलाकर संकेत दिया . आम आदमी पार्टी के नगरसेवक कह रहे हैं कि आम आदमी पार्टी के नगरसेवक सत्तारूढ़ दल के नेता अमित राजपूत द्वारा मेयर को बुलाने की बात कह रहे हैं, जबकि सवाल अभी पूछे जाने भी केवल दो प्रश्न पूछे गए थे और प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों की अनुमति है। यह नियमानुसार है। हालांकि, हमें सवाल पूछने की इजाजत नहीं थी। हमारे पार्षदों ने कहा कि हमें लगता है कि मेयर बीजेपी से डरती हैं या गुलाम नहीं पूरक प्रश्न भी नहीं पूछने दिए गए। अमित राजपूत जो चल रही आमसभा में सत्ताधारी नेता हैं। यह बहुत दुख की बात है अगर वह महापौर को बुलाते हैं और कुछ कहते हैं और महापौर उसका अनुसरण करते हैं।

तीन साल की सजा के बावजूद बाबू बोखीरिया अपने मंत्री पद पर बरकरार रहे थे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द किए के मुद्दे पर सियासी पारा हाई है। सूरत कोर्ट द्वारा एक मानहानि केस में राहुल गांधी को दो साल की सजा मिलने के बाद उनकी संसद की सदस्यता रद्द की गई है। इस मुद्दे पर गुजरात समेत देशभर में विरोध हो रहा है। राहुल गांधी को दो साल की सजा मिली और उनकी संसद की सदस्यता चली गई। लेकिन गुजरात के एक मंत्री तीन साल की सजा होने के बाद भी वह अपने पद पर बरकरार रहे थे। घटना वर्ष 2013 की है जब गुजरात सरकार के जल संसाधन मंत्री बाबू बोखीरिया को कोर्ट ने ३ साल की सजा सुनाई थी। सजा मिलने के बाद भी बाबू बोखीरिया की ना तो विधायकी गई और ना ही मंत्री पद। पोरबंदर की कोर्ट ने जून 2013 में बाबू बोखीरिया को 54 करोड़ के खनीज चोरी के मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई थी। हांलाकि सजा के बाद कोर्ट ने बाबू बोखीरिया को 7 दिन की जमानत दी थी, ताकि वह ऊपरी अदालत में जा सकें। उस वक्त बाबू बोखीरिया गुजरात सरकार में मंत्री थे। पोरबंदर कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के बावजूद बाबू बोखीरिया मंत्री पद पर बने रहे। गुजरात विधानसभा में तत्कालीन विपक्ष के नेता शंकरसिंह वाघेला ने कोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार के तत्कालीन मंत्री बाबू बोखीरिया के इस्तीफे की मांग की थी। उस वक्त नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और उनकी कैबिनेट में बाबू बोखीरिया जल संसाधन मंत्री थे। हांलाकि नवंबर 2014 को कोर्ट ने बाबू बोखीरिया को खनीज केस में बरी कर दिया था।

राहुल गांधी ने माफी मांग ली होती तो संसद की सदस्यता रद्द नहीं होती : कांग्रेस नेता

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मोदी समाज को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सूरत की कोर्ट ने 23 मार्च को राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई है। दो साल की सजा के ऐलान के बाद नियमों के मुताबिक लोकसभा से कांग्रेस की सदस्यता रद्द कर दी गई है। राहुल गांधी की सदस्यता रद्द किए जाने के विरोध में कांग्रेस देशभर में प्रदर्शन कर रही है। दूसरी ओर सूरत कांग्रेस के एक नेता हसमुख देसाई ने कहा है कि अगर राहुल गांधी ने मोदी समाज को लेकर अपनी विवादित टिप्पणी पर माफी पहले सूरत एयरपोर्ट पर करीब 40 मिनट तक उनके साथ चर्चा कर कई नेताओं ने उन्हें माफी मांगने के लिए समझाने का काफी प्रयास किया। लेकिन राहुल गांधी किसी भी सूरत में माफी मांगने के लिए तैयार नहीं हुए। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह भाजपा के सामने नहीं झूकेंगे। गौरतलब है 13 अप्रैल 2019 को राहुल गांधी कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे और उसी दौरान उन्होंने विवादित टिप्पणी की थी। राहुल गांधी ने उस चुनावी सभा में कहा था कि 'चाहे नीरव मोदी हो, ललित मोदी हो या नरेंद्र मोदी

मांग ली होती तो उनकी संसद की सदस्यता रद्द नहीं होती। हसमुख देसाई के मुताबिक कांग्रेस के कई नेताओं ने राहुल गांधी को इस मामले में माफी मांग लेने की सलाह दी थी। लेकिन राहुल गांधी इसके लिए तैयार नहीं हुए, क्योंकि वह एक नीडर नेता हैं। राहुल गांधी के कोर्ट में पेशी के लिए पहुंचने से हों, सारे चोरों के नाम में मोदी क्यों जुड़ा हुआ है।' राहुल गांधी की इस विवादित टिप्पणी के खिलाफ भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने कोर्ट में मानहानि का केस दाखिल किया था। इसी मामले में सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को 2 साल की सजा का आदेश दिया है।

गुजरात विधानसभा में हंगामे के बाद कांग्रेस के सभी विधायक सत्र समाप्ति तक सस्पैंड

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान हंगामा कर रहे कांग्रेस के सभी विधायकों को एक दिन के लिए सस्पैंड किया गया था। लेकिन बाद में सभी को सत्र समाप्ति तक निलंबित कर दिया गया। दरअसल कांग्रेस के विधायक राहुल गांधी की सदस्यता रद्द किए जाने के विरोध में काले वस्त्र धारण कर विधानसभा में आए थे। पहले कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा की सीढियों पर विरोध प्रदर्शन किया और बाद में सदन के भीतर काफी हंगामा किया। विधानसभा अध्यक्ष के कहने के बावजूद जब कांग्रेस विधायक शांत नहीं हुए तो उन्हें आज यानी एक दिन के लिए सस्पैंड कर दिया गया। बाद में संसदीय मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कांग्रेस विधायकों को सत्र समाप्ति तक सस्पैंड करने की दरखास्त की। इस दरखास्त का उद्योगमंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने समर्थन किया। आखिरकार कांग्रेस के सभी विधायकों को मौजूदा सत्र की समाप्ति तक बर्खास्त कर दिया गया। बता दें कि राहुल गांधी की संसद से सदस्यता रद्द किए जाने के खिलाफ कांग्रेस देशभर में प्रदर्शन कर रही है।

कक्षा 12 का कंप्यूटर सायंस का पेपर लीक होने की खबर को शिक्षा बोर्ड ने किया खारिज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12 के कंप्यूटर सायंस का पेपर लीक होने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि 800 जगहों पर परीक्षा थी और कहीं से भी पेपर लीक होने की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पेपर कहां से वायरल हुआ इसकी जांच की जाएगी। दरअसल विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने कक्षा 12 के कंप्यूटर सायंस का पेपर लीक होने का दावा करते हुए ट्वीट किया था। हांलाकि युवराजसिंह ने ट्वीट में यह भी लिखा कि पेपर सही या गलत इसकी मैं पुष्टि नहीं करता। मामला सामने आने के बाद गुजरात शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष एजे शाह ने पेपर लीक की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक नहीं हुआ है। वायरल पेपर में 12 से 15 सवाल एक समान हैं। उन्होंने कहा कि 800 जगह पर परीक्षा थी और पेपर कहां से वायरल हुआ है, इसकी जांच की जाएगी। साथ ही वायरल पेपर के बारे में साइबर क्राइम से शिकायत की जाएगी।

24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 301 नए केस, सबसे अधिक अहमदाबाद में 114 मामले

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में फिर एक बार गुजरात में कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। खासकर पिछले कई दिनों से इसमें लगातार वृद्धि जारी है। खासकर अहमदाबाद शहर में कोरोना के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 301 नए केस सामने आए हैं, जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 114 मामले हैं। इस दौरान 149 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में ११४, मोरबी में 27, सूरत कॉर्पोरेशन में 27, वडोदरा में 26, राजकोट कॉर्पोरेशन में 19, गांधीनगर में 19, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 19, अमरेली में 12, बनासकांठा में 6, भरूच में 6, राजकोट में 6, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 4, मेहसाणा और सूरत जिले में 4, सुरेन्द्रनगर में 3, कच्छ और पोरबंदर में 2-2, अहमदाबाद, आणंद, भावनगर, साबरकांठा और वलसाड में एक-एक समेत राज्यभर में कुल 301 कोरोना के मरीज सामने आए हैं। 301 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 1849 पर पहुंच गई है। जिसमें 8 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 1841 लोग स्टेबल हैं। राज्य में अब तक कोरोना से 1267864 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि 11053 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। गुजरात में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.99 प्रतिशत है।

गुजरात सरकार ने छह चरणों में किए कुल 90,665 करोड़ रुपए के 59 एमओयू हुए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान को 'आत्मनिर्भर गुजरात' के निर्माण से साकार करने की दिशा में भारी निवेश के एमओयू कर एक और पग भरा है। 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की इस प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार द्वारा गत अक्टूबर-2022 में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में घोषित की गई 'द आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम्स फ़ॉर असिस्टेंस टु इण्डस्ट्रीज़' महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस योजना के अंतर्गत राज्य में अलग-अलग स्थानों पर उद्योग शुरू करने के लिए विभिन्न उद्यमियों तथा राज्य सरकार के बीच हर सप्ताह के पहले दिन यानी सोमवार को एमओयू करने का नूतन उपक्रम आयोजित होता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दिशादर्शन में इस उपक्रम के छह चरण दिनांक 13 फ़रवरी, 2023 से 27 मार्च, 2023 के दौरान पूर्ण हुए हैं और कुल लगभग 59 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके फलस्वरूप गुजरात में कुल 90,665 करोड़ रुपए का प्रस्तावित पूंजी निवेश आकर्षित हुआ है। इतना ही नहीं, इन उद्योगों के शुरूहोने से लगभग 65,431 लोगों को रोज़गार के अवसर भी आगामी दिवसों में मिलेंगे।

जिन क्षेत्रों में अब तक एमओयू हुए हैं, उनमें रसायन क्षेत्र में 40 हज़ार, इंजीनियरिंग क्षेत्र में 6 हज़ार तथा रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 5 हज़ार प्रस्तावित रोज़गार अवसर उपलब्ध होंगे। "द आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम्स फ़ॉर असिस्टेंस टु इण्डस्ट्रीज़" को और गति देते हुए इस सोमवार को यानी 27 मार्च को एक ही दिन में 3 एमओयू मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष विभिन्न उद्यमियों ने किए।

उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत की प्रेरक उपस्थिति में हुए इन 3 एमओयू द्वारा राज्य में 11,291 करोड़ रुपए का प्रस्तावित निवेश आएगा और लगभग 10,600 संभावित रोज़गार सृजन होगा। इन बहुविद् एमओयू के अंतर्गत फार्मास्युटिकल तथा सोडाएश उद्योगों में निवेश आएगा। एमओयू करने वाले उद्योगों में दो भारतीय कंपनियों तथा एक जापानी कंपनी ने क्रमशः नखत्राणा (कच्छ), वालिया (भरूच) एवं साणंद (अहमदाबाद) में अपनी उत्पादन इकाइयाँ शुरू करने में रुचि दिखाई है। इस "द आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम्स फ़ॉर असिस्टेंस टु इण्डस्ट्रीज़" के अंतर्गत राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए जर्मनी, यूएसए, यूके, कुवैत, मलेशिया सहित अन्य देशों ने भी इससे पहले एमओयू किए हैं।

उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री कमल दयानी ने राज्य सरकार की ओर से तथा सम्बंधित उद्यमियों ने अपनी इकाइयों की ओर से एमओयू पर हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों के समक्ष दस्तावेज़ों का आदान-प्रदान किया।

साइंस सिटी में आकार लेगी न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी गैलरी

भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग और गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस सिटी के बीच हुआ एमओयू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी के आकर्षणों में न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी गैलरी के निर्माण से एक और नया मील का पत्थर जुड़ जाएगा। साइंस सिटी में इस गैलरी की स्थापना करने के लिए गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) और गुजरात सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस सिटी (जीसीएससी) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्य सचिव राज कुमार और मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोषी भी उपस्थित रहे। न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी गैलरी का निर्माण साइंस सिटी के प्लेनेट अर्थ पवेलियन में 10 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता से होगा और इसका निर्माण 12 महीने में पूरा होने का अनुमान है। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान भारत सरकार के परमाण ऊर्जा विभाग के सचिव एवं परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष के.एन. व्यास तथा राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव विजय नेहरा ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को इस नई गैलरी के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी गैलरी में परमाणु और अणु ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित तथा विभिन्न आधुनिक प्रदर्शनियां दिखाई जाएंगी। इतना ही नहीं, यह गैलरी परमाणु और अणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की ओर सफर को भी प्रदर्शित करेगी। यहां इस सफर की छोटी शुरुआत से लेकर इस क्षेत्र में वैश्विक खिलाड़ी बनने तक के परिवर्तनकारी सफर को भी प्रदर्शित किया जाएगा। साइंस सिटी परमाणु और अणु ऊर्जा तथा उसके शांतिपूर्ण उपयोगों तथा इन उपयोगों के बारे में समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसके लिए परमाणु ऊर्जा विभाग तकनीकी सहायता प्रदान करने के साथ ही प्रदर्शनी के लिए वैचारिक (कल्पनात्मक) डिजाइन, विज्ञान के शिक्षकों को प्रशिक्षण और गैलरी के विकास के लिए सहायता देगा। अत्याधुनिक न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी गैलरी के विकास से आगंतुकों को विभिन्न इमर्सिव एक्सपीरियंस प्रदर्शनियों, वर्किंग मॉडल्स, इंफोग्राफिक्स एआर/वीआर (संवर्धित और आभासी वास्तविकता) और ऑडियो-विजुअल्स के साथ अनोखा एडुटेनमेंट (मनोरंजन के साथ शिक्षा) अनुभव प्राप्त होगा तथा परमाणु और अणु ऊर्जा से संबंधित विभिन्न परिमाणों का प्रदर्शन देखने को मिलेगा। साइंस सिटी और डीएई के बीच यह अनोखा सहयोग परमाणु एवं अणु ऊर्जा के क्षेत्र में युवाओं में और अधिक उत्साह पैदा करेगा तथा न्यूक्लियर साइंस टेक्नोलॉजी में उनकी रुचि को भी बढ़ावा देगा। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च (आईपीआर) के निदेशक डॉ. शशांक चतुर्वेदी, डॉ. ए.वी. रविकुमार तथा साइंस सिटी के कार्यकारी निदेशक जितेंद्र वदर एवं महाप्रबंधक डॉ. व्रजेश परीख आदि उपस्थित रहे।

गुजरात पर फिर बेमौसमी बारिश का संकट, कृषि फसलों को लेकर किसानों की चिंता बढ़ी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मार्च महीने की शुरुआत से गुजरात में कई दौर में बेमौसमी बारिश ने कृषि फसलों को चौपट कर दिया है। अपनी फसलों को हुए नुकसान से किसान अभी उबरे नहीं हैं कि फिर एक बार बेमौसमी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। साइक्लोनिक सिस्टम के सक्रिय होने से मौसम विभाग ने यह भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने तेज हवा और गरज के साथ ३० और ३१ मार्च को बेमौसमी बारिश की संभावना व्यक्त की है। इन दो दिनों के दौरान सौराष्ट्र, कच्छ और उत्तर गुजरात के कई तहसीलों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 30 मार्च को राजकोट, जामनगर, द्वारका, और कच्छ में बारिश होगी। 31 मार्च को पोरबंदर, अमरेली, जूनागढ़ और द्वारका में बारिश की संभावना है। साथ ही उत्तरी गुजरात के साबरकांठा, बनासकांठा और अरवल्ली में भी बारिश हो सकती है। इस दौरान अहमदाबाद और गांधीनगर में बादल छाए रहेंगे। दूसरी ओर गुजरात में बेमौसमी बारिश से कृषि फसलों को हुए नुकसान के लिए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने किसानों को आश्वासन दिया है। साबरकांठा के हिम्मतनगर तहसील के कांकणोल के दौरे पर गए भूपेन्द्र पटेल से स्थानीय किसानों में बेमौसमी बारिश से कृषि फसलों को हुए नुकसान के लिए आर्थिक सहायता देने की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने किसानों का आश्वासन दिया कि गांव के मुताबिक सर्वे कराया जाएगा और जहां ज्यादा नुकसान हुआ होगा, उसकी सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक अंतिम फैसला किया जाएग।